आज का सुविचार

सत्य से कीर्ति प्राप्त की जाती है और सहयोग से मित्र बनाए जाते हैं।
-कौटिल्य अर्थशास्त्र

दैनिक

इंटीग्रेटेड ट्रेड

डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-4 अंक-272 भोपाल, बुधवार 11 अगस्त, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-3 रुपए

पंचांग

श्रावण कृष्ण पक्ष
अष्टमी, बुधवार
विक्रम, संवत 2078

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	5:55/6:57
वर्षा/बादल %	16 %
नमी %	81 %
वायु (किमी/घ.)	13
तापमान प्रात:/रात्रि (डिग्री से.)	29°/22°

स्वर्ण दर 24 कैरेट

प्रति 10 ग्राम/1तौला
₹ 47,850

शेयर सूचकांक

बीएसई	54554.66	+151.81
निफ्टी	16280.10	+21.85

हरियाली सूचकांक

भारत 22%
म.प्र. 32%

माँ प्रकृति की सेवा को भी समय दे

कहा था टूरिस्ट स्पॉट पर भीड़ न बढ़ाएं

हिमाचल में 13 दिन में एक्टिव केस दोगुने हुए, इस सीजन पहुंचे 5 लाख टूरिस्ट

नई दिल्ली। देश में कोरोना की तीसरी लहर कभी भी दस्तक दे सकती है। इसके बाद भी टूरिस्ट स्पॉट पर भीड़भाड़ जारी है। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर सहित कई टूरिस्ट स्टेट में बड़ी तादाद में ट्रैवलर्स पहुंच रहे हैं। कोरोना नियमों में ढील मिलने के बाद इस साल जुलाई तक हिमाचल में करीब 5 लाख टूरिस्ट देशभर से पहुंचे। समर (मार्च-जून) में टूरिस्ट सबसे ज्यादा आते हैं। होटल इंडस्ट्री से जुड़े लोगों के मुताबिक जुलाई में हर साल होटल की बुकिंग 25 से 30 फीसदी ही रहती है, लेकिन इस साल यह 70 से 100 फीसदी तक रही। देशभर से हिमाचल घूमने पहुंचे टैवलर्स का असर अब यहां दिखना शुरू हो गया है। हिमाचल प्रदेश में पिछले 13 दिन के अंदर एक्टिव केस दोगुने हो गए हैं। 28 जुलाई को यहां 953 एक्टिव केस थे।

मोदी ने लॉन्च की उज्जवला 2.0 योजना, बिना एड्रेस प्रूफ के फ्री में मिलेगा गैस कनेक्शन

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उज्ज्वला 2.0 योजना की शुरुआत की। योजना की उत्तर प्रदेश के महोबा जिले में नए LPG कनेक्शन देकर की गई। इस वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्य योगीनाथ और उप मुख्यमंत्री केशव मौर्य व दिनेश शर्मा भी उपस्थित थे। इस बार इस योजना में सरकार फ्री LPG कनेक्शन के साथ-साथ भरा हुआ सिलेंडर भी फ्री में देगी।

हजार महिलाओं को दिया कनेक्शन:- आज योजना के शुभारंभ के मौके पर 1 हजार महिलाओं को कनेक्शन दिया गया। 2021-22 वित्तीय वर्ष में इस योजना के तहत 1 करोड़ LPG कनेक्शन बांटने के लिए अलग से फंड जारी किया गया है। यह कनेक्शन कम आय वाले उन परिवारों को दिए जाएंगे, जो उज्ज्वला योजना के पहले चरण में शामिल नहीं हो सके थे।

बिना एड्रेस प्रूफ के मिलेगा कनेक्शन:- उज्ज्वला 2.0 का लाभ लेने के लिए प्रवासियों को राशन कार्ड और एड्रेस प्रूफ जमा करने की जरूरत नहीं होगी। जरूरतमंद परिवार अब खुद के द्वारा सत्यापित आवेदन देकर भी इस योजना का लाभ ले सकेगा। इससे प्रधानमंत्री के विजन को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।

उज्ज्वला 2.0 से जुड़ी खास बातें

- योजला के तहत लाभार्थियों को मुफ्त LPG कनेक्शन मिलेगा।
- पहली बार भरा हुआ सिलेंडर फ्री रहेगा।
- कागजी कार्रवाई बहुत कम रहेगी।
- योजना का लाभ लेने के लिए प्रवासियों को राशन कार्ड और एड्रेस प्रूफ जमा करने की जरूरत नहीं होगी।

2016 में हुई थी योजना की शुरुआत

उज्ज्वला योजना 1.0 का शुभारंभ 2016 में किया गया था। इसके तहत 5 करोड़ गरीब परिवार की महिलाओं को गैस कनेक्शन बांटने का लक्ष्य रखा गया था। इसके बाद 2018 में इस योजना को आगे बढ़ाते हुए सात और कैटेगरी की महिलाओं को इसका लाभ देना शुरू किया गया था। इसमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अंत्योदय अन्न योजना, अति पिछड़ा वर्ग, चाय बगान वर्कर, वनवासी और द्वीपों में रहने वाले लोगों को भी शामिल कर लिया था।

उज्जवला योजना में आवेदन करने के लिए जरूरी पात्रता

- आवेदक एक महिला होनी चाहिए।
- महिला की आयु 18 वर्ष से अधिक होनी चाहिए।
- महिला BPL परिवार से होनी चाहिए।
- महिला के पास बीपीएल कार्ड तथा राशन कार्ड होना चाहिए।
- आवेदक के परिवार के किसी सदस्य के नाम पर LPG कनेक्शन नहीं होना चाहिए।
- आवेदक का नाम या परिवार के किसी भी सदस्य का नाम पहले से ही एलपीजी कनेक्शन में नहीं होना चाहिए।

पेगासस पर SC की हिदायत : चीफ जस्टिस ने पिटीशनर्स से कहा-

हद पार न करें, सभी की बात सुनी जाएगी; सोशल मीडिया पर बहस से बचें

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

पेगासस जासूसी मामले से जुड़ी 9 अर्जियों पर सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को सुनवाई हुई। इस दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सरकार का जवाब दाखिल करने के लिए और समय मांगा।इसके बाद कोर्ट ने सुनवाई 16 अगस्त तक टाल दी। लेकिन चीफ जस्टिस (ष्टछ्ठड्ड) एनवी रमना ने इस मामले को लेकर सोशल मीडिया और वेबसाइट्स पर चल रही बहस पर आपत्ति जताते हुए पिटीशनर्स को अनुशासन बरतने की हिदायत दी है। CJI ने पिटीशनर्स से कहा, किसी को हद पार नहीं करनी चाहिए। सभी की बात सुनी जाएगी। हम बहस के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन मामला कोर्ट में है तो इसकी बात यहीं होनी चाहिए। सोशल मीडिया की बजाय बहस का उचित माध्यम चुनें और व्यवस्था का कुछ सम्मान करें।

बता दें पेगासस मामले में पत्रकारों, वकीलों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया की तरफ से अर्जियां दायर कर स्ड्ढञ्ज जांच की मांग की गई है। 5 अगस्त को हुई सुनवाई में ष्टछ्ठड्ड ने कहा था कि अगर जासूसी से जुड़ी रिपोर्ट सही हैं तो ये गंभीर आरोप हैं। साथ ही सभी पिटीशनर्स से कहा कि वे अपनी-अपनी अर्जियों की कॉपी केंद्र सरकार को मुहैया करवाएं, ताकि कोई नोटिस लेने के लिए मौजूद रहे। कोर्ट ने बिना फ्रेमवर्क याचिकाएं दायर करने पर भी सवाल उठाए थे। साथ ही केंद्र को तुरंत नोटिस जारी करने से भी इंकार कर दिया था। पिछली सुनवाई की शुरुआत में ही CJI ने कहा था, जासूसी की रिपोर्ट 2019 में सामने आई थी। मुझे नहीं पता कि और अधिक जानकारी जुटाने के लिए क्या प्रयास किए गए। अभी मामला क्यों उठा है। पिटीशनर्स कानून के जानकार लोग हैं, मगर अपने पक्ष में संबंधित सामग्री जुटाने में इतनी मेहनत नहीं की है कि हम जांच का आदेश दे सकें। जो खुद को प्रभावित बता रहे हैं, उन्होंने FIR ही नहीं कराई।

अफगानिस्तान में तेजी से बढ़ता तालिबान

भारत के बनाए हाईवे पर कब्जा किया; पाकिस्तान ने तालिबान की मदद को भेजे 20,000 लड़ाके

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज काबुल/नई दिल्ली

एक बच्चे की रक्तरंजित लाश पड़ी है और उसकी बहन उसे जगाने की कोशिश कर रही है। अफगानिस्तान का यह वीडियो वहां लगातार खराब हो रहे हालात की एक झलक भर है। तालिबान और अफगान सरकारी सैन्यबलों के बीच भीषण युद्ध चल रहा है। तालिबान ने देश के बाहरी हिस्सों पर कब्जे के बाद अब प्रातों की राजधानियों की ओर बढ़ना शुरू कर दिया है। बीते 5 दिनों में तालिबान ने पांच प्रांतीय राजधानियों पर कब्जा कर लिया है। उत्तर में कुंदूज, सर-ए-पोल और तालोकान पर तालिबान ने कब्जा कर लिया। ये शहर अपने ही नाम के प्रांतों की राजधानियां हैं। दक्षिण में ईरान की सीमा से लगे निमरोज प्रांत की राजधानी जरांज पर कब्जा कर लिया है। उजबेकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान सीमा से लगे नोवज्जान प्रांत की राजधानी शबरघान पर भी भीषण लड़ाई के बाद तालिबान का कब्जा हो गया है। फिलहाल देश के 80 फीसदी हिस्से पर या तो तालिबान का कब्जा है या उसके साथ लड़ाई चल रही है।

दूर-दराज से भाग कर आम नागरिक काबुल पहुंच रहे हैं

काबुल में मौजूद राजनीतिक कार्यकर्ता हसीबुल्लाह तरीन कहते हैं, अफगानिस्तान में इस समय पूरी तरह युद्ध की स्थिति है। सिर्फ दूर के प्रांतों में ही नहीं, बल्कि काबुल के आसपास भी युद्ध चल रहा है। कुंदूज में भीषण लड़ाई चल रही है। सैन्य बलों की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। तालिबान भारी हथियारों का इस्तेमाल कर रहे हैं। वो कुंदूज प्रांत और आसपास के कई प्रांतों पर कब्जा करना चाहते हैं। कुंदूज से लोग भाग रहे हैं। वहां मीडिया भी काम नहीं कर पा रहा है। मेरे कई परिचित वहां से भागकर आज ही काबुल पहुंचे हैं।

ड्रग तस्करी के रूट पर तालिबान का कब्जा, यह उसकी आय का प्रमुख स्रोत

नाम न छापने की शर्त पर अफगान सियासत के एक विशेषज्ञ हमें तालिबान के आगे बढ़ने के मायने समझाते हैं। 'पारंपरिक रूप से तालिबान के गढ़ रहे उत्तरी अफगानिस्तान के सबसे अहम शहर कुंदूज पर तालिबान का कब्जा उसकी अब तक की सबसे बड़ी जीत है। अफगानिस्तान को मध्य एशिया से जोड़ने वाले रास्ते पर पड़ने वाला ये शहर ड्रग तस्करी के रूट पर पड़ता है। अफगानिस्तान से यूरोप जाने वाली अफीम और हेरोइन यहीं से होकर गुजरती है। इस शहर पर कब्जे का मतलब है कि तालिबान के पास एक बड़ा आय स्रोत भी आ जाएगा। तालिबान इससे पहले साल 2015 और 2016 में भी कुछ समय के लिए कुंदूज पर कब्जा कर चुका है, लेकिन तब वो अपना नियंत्रण बरकरार नहीं रख पाया था। अफगान बलों के सामने सबसे बड़ी चुनौती कुंदूज से तालिबान को खदेड़ना होगा।

आपराधिक छवि वाले नेताओं पर सख्ती : सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक दलों से कहा-

उम्मीदवार चुनने के 48 घंटे में क्रिमिनल रिकॉर्ड बताना होगा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

राजनीति में आपराधिक छवि वाले लोगों की हिस्सेदारी कम करने की दिशा में सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक बड़ा फैसला दिया। कोर्ट ने कहा कि सभी राजनीतिक दलों को अपने उम्मीदवारों का चयन करने के 48 घंटे के अंदर उनका क्रिमिनल रिकॉर्ड पब्लिश करना होगा। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक, सभी पार्टियों को अपने सभी उम्मीदवारों की जानकारी अपनी वेबसाइट पर बतानी होगी और दो अखबारों में भी पब्लिश करनी होगी। उम्मीदवार के चयन के 72 घंटे के अंदर इस आदेश की पालना रिपोर्ट चुनाव आयोग को भी सौंपनी होगी।

फरवरी 2020 के आदेश में किया बदलाव:- नए आदेश के साथ ही कोर्ट ने अपने पिछले फैसले में बदलाव किया है। फरवरी 2020 में सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि उम्मीदवार के चयन के 48 घंटे के अंदर या फिर नामांकन दाखिल करने की पहली तारीख से दो हफ्ते पहले (इन दोनों में से जो भी पहले हो) उम्मीदवारों की पूरी जानकारी देनी होगी। वहीं पिछले महीने कोर्ट ने कहा था कि इसकी संभावना कम है कि अपराधियों को राजनीति में आने और चुनाव लड़ने से रोकने के लिए विधानमंडल कुछ करेगा। इस मामले में नवंबर 2020 में एडवोकेट ब्रजेश सिंह ने याचिका दायर की थी। उन्होंने बिहार विधानसभा चुनावों के दौरान उन पार्टियों के खिलाफ मानहानि की अर्जी दाखिल की थी, जिन्होंने अपने उम्मीदवारों के आपराधिक रिकॉर्ड का ब्योरा नहीं दिया था।

मध्यप्रदेश में 20 अगस्त तक बढ़ा नाइट कर्फ्यू सरकार ने 10 दिन आगे बढ़ाया, लागू रहेगी पाबंदियां

» सिनेमाघर, जिम और धार्मिक स्थलों में लोगों की संख्या सीमित ही रहेगी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मप्र में नाइट कर्फ्यू 20 अगस्त तक जारी रहेगा। मंगलवार को गृह विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए। इसके चलते पाबंदियां पहले की तरह ही लागू रहेगी। भोपाल समेत प्रदेश के सभी शहरी क्षेत्रों में रात 11 से सुबह 6 बजे तक नाइट कर्फ्यू जारी रहेगा तो सिनेमाघर, जिम और धार्मिक स्थलों में लोगों की संख्या सीमित ही रहेगी। सरकार ने 31 जुलाई को नाइट कर्फ्यू समेत अन्य प्रतिबंध 10 अगस्त तक जारी रखने के आदेश दिए थे। अब 20 अगस्त तक प्रतिबंध की अवधि बढ़ा दी गई है।

इस संबंध में मंगलवार को गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा ने यह आदेश जारी कर दिए। ग्रामीण क्षेत्रों से नाइट कर्फ्यू समेत अन्य प्रतिबंध पहले ही हटा दिए गए हैं।

तीसरी लहर की आशंका के चलते बढ़ाया

तीसरी लहर की आशंका के चलते पहले भी दो बार प्रतिबंध बढ़ाए जा चुके हैं। बता दें कि 14 जुलाई को सरकार ने नाइट कर्फ्यू में थोड़ी ढिलाई दी थी। वहीं सिनेमाघर, जिम, धार्मिक स्थल आदि को लेकर गाइडलाइन जारी की थी। इनमें लोगों की संख्या सीमित रखी गई थी। 19 जुलाई, 31 जुलाई एवं 10 अगस्त तक उक्त प्रतिबंध जारी रखे गए थे। अब फिर से 10 दिन के लिए अवधि बढ़ा दी गई है।

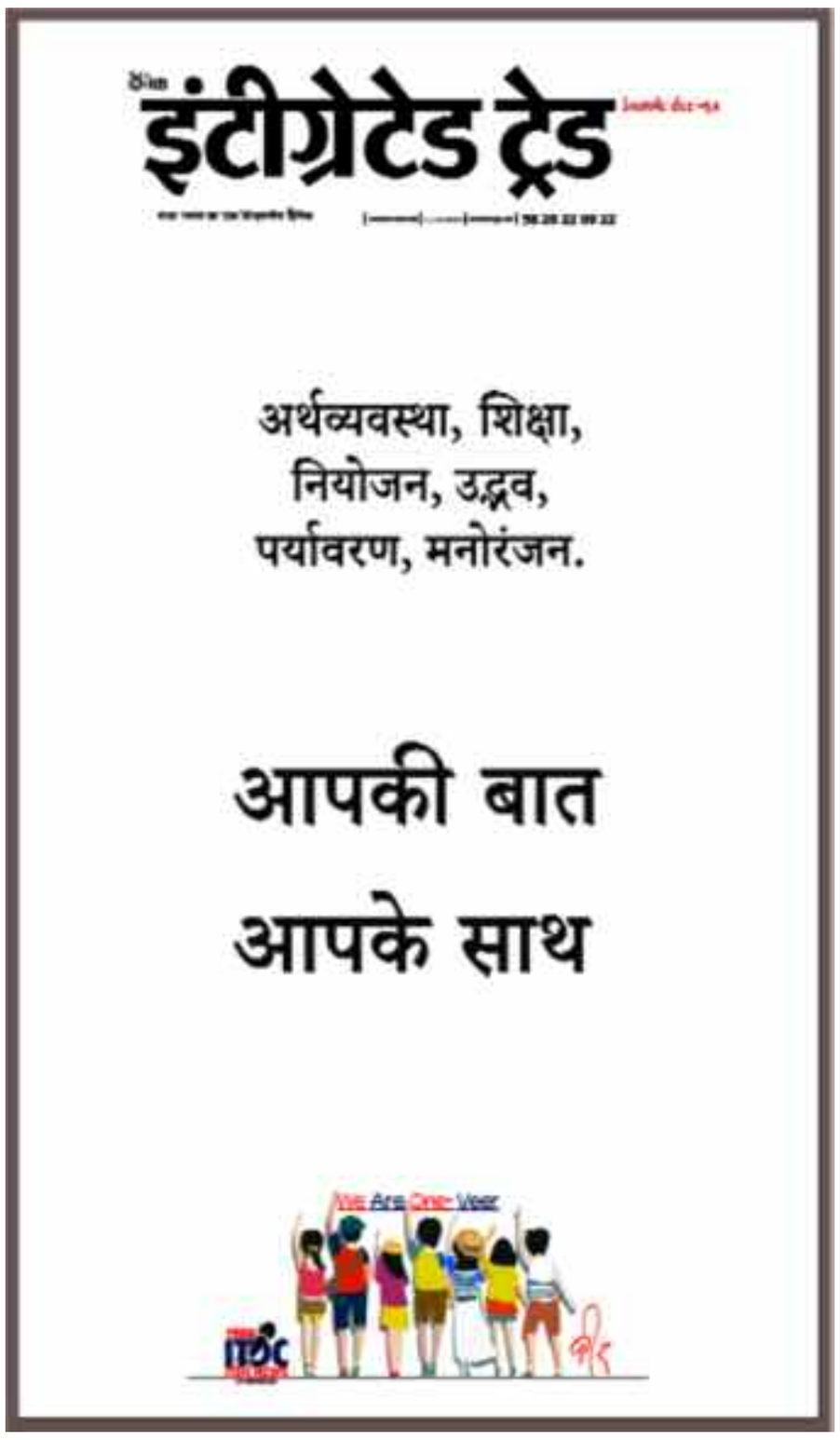

भोपाल में मंत्री के बंगले पर छात्रों का हंगामा : दो साल से बिना परीक्षा के पढ़ाई कर रहे बीएससी नर्सिंग छात्रों का दर्द छलका

बोले-भविष्य से खिलवाड़ कर रहे, फ्री में पास नहीं होना

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मध्यप्रदेश मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी के छात्रों का दर्द छलकने लगा है। दो साल से परीक्षा होने का इंतजार कर रहे छात्र-छात्राएं मंगलवार को चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग के बंगले पर पहुंच गए। छात्रों ने जल्दी परीक्षा कराए जाए जाने की मांग करते हुए नारेबाजी की। हालांकि मंत्री के विधानसभा में होने के कारण दोपहर तक बच्चों की उनसे मुलाकात नहीं हो सकी थी। प्रदर्शन कर रहे स्टूडेंट्स का कहना था कि वे जनरल प्रमोशन नहीं चाहते, उन्हें परीक्षा देना है, ताकि उनकी पढ़ाई सार्थक हो सके। प्रदर्शन कर रहे स्टूडेंट्स प्रवीण ने बताया कि पैरामेडिकल कॉलेजों (मध्यप्रदेश मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी, जबलपुर) में अध्ययरत छात्रत्रों ने वर्ष 2019 में एडमिशन लिया था। कुछ महीने बाद से ही कोविड-19 महामारी के कारण संबद्ध विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षा आयोजित नहीं की गई। दो साल बी जाने के बाद भी हम सिर्फ पढ़ाई कर रहे हैं। विश्वविद्यालय ने इस संबंध में परीक्षा की तिथि घोषित भी गई थी, लेकिन परीक्षा नहीं हुई। 18 मई को यूनिवर्सिटी ने आगामी आदेश तक रद्द करने के निर्देश दिए थे। परीक्षा कैसे होगी? इस बारे में कोई स्थिति साफ नहीं होने के कारण छात्र परेशान हो रहे हैं। ज्योति यादव ने बताया हमारी डिग्री कब पूरी होगी। हमें यह समझ नहीं आ रहे कि क्या करें। दो साल से एक ही क्लास में है। अभी अक्टूबर थर्ड ईयर शुरू हो जाएगा। पहले जनरल प्रमोशन भी दिया गया था। फिर उसे रद्द यह कहते हुए कहा कि गलती हो गई। कितने बार टाइम टेबल जारी हुए, लेकिन कुछ नहीं हुआ। हमारे साथ खिलवाड़ हो रहा है। हमारे जैसे 30 हजार से ज्यादा छात्र हैं। कई बार प्रदर्शन के लिए आए। अभी यहां आए तो हमे हटाकर साइड में कर दिया गया। बार-बार कह रहे हैं कि अभी मंत्री से मिलवाएंगे, लेकिन मुलाकात नहीं हुई।

20 मई को ज्ञापन दिया था

आज 20 मई को पैरामेडिकल छात्रों ने मुख्यमंत्री, चिकित्सा शिक्षा मंत्री, और मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी जबलपुर के कुलपति को ऑनलाइन ज्ञापन भेजा गया। स्टूडेंट्स का कहना था कि उन्होंने 2019 में एडमिशन लिया था। उसके बाद से न तो अब तक कोई परीक्षा नहीं हुई और न ही ही जनरल प्रमोशन ही मिला। 2019 में फर्स्ट ईयर वाले स्टूडेंट्स 2021 में भी फर्स्ट ईयर में ही हैं।

श्योपुर में बाढ़ के बाद सफाई अभियान।

न्यूज ब्रीफ

रीवा से भोपाल और इंदौर के लिए जल्द शुरू होगी फ्लाइट

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि रीवा से भोपाल और इंदौर के लिए फ्लाइट जल्द शुरू होगी। नागरिक उड्डयन मंत्रालय से फ्लाइट शुरू करने के लिए प्राप्त निविदा की राशि देने के लिए राज्य सरकार की ओर से सहमति प्रदान कर दी गई है। पूर्व मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने आज मुख्यमंत्री श्री चौहान से भेंट कर नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा चाहे गए राज्य के 100 प्रतिशत वी.जी.एफ. अंशदान देने के लिए अनुरोध किया था। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इस संबंध में तत्काल सहमति-पत्र भेजने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि रीवा, इंदौर और भोपाल के बीच 72 सीटर विमान सेवा जल्द शुरू होगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान से पूर्व मंत्री श्री शुक्ल ने आग्रह किया कि रीवा से हवाई सेवा प्रारंभ करने से रीवा और आसपास के क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी।

भोपाल में बिजलीकर्मियों की हड़ताल:1100 इंजीनियरों और कर्मचारियों ने मोबाइलबंद किए

भोपाल। भोपाल में बिजली कंपनी के करीब 1100 इंजीनियर एवं कर्मचारियों ने मोबाइलबंद हड़ताल शुरू कर दी है। मंगलवार सुबह से ही उन्होंने मोबाइल बंद कर दिए और फॉल्ट से जुड़ी कंप्लेंट नहीं सुनी। हड़ताल की वजह से रेवन्यू से जुड़े सारे काम भी ठप हो गए हैं। बिजली बिल काउंटर सूने हैं, जबकि बिलों की वसूली, कनेक्शन काटने या जोड़ने जैसे काम भी नहीं हो रहे हैं। सुबह 11 बजे तक ही 100 से ज्यादा फॉल्ट व बिजली से जुड़ी अन्य कंप्लेंट हो चुकी है, पर फॉल्ट सुधारने वाला कोई नहीं है। हालांकि, इमरजेंसी सेवाएं जारी रखी गई है। सरकार और बिजलीकर्मियों से जुड़े संगठनों के बीच सोमवार को बातचीत बेनतीजा रही थी। संगठन के पदाधिकारियों को सरकार ने बातचीत के लिए मंत्रालय में भी बुलाया था, लेकिन मांगों को लेकर कोई निर्णय नहीं लिया जा सका। इस कारण मंगलवार को वे हड़ताल पर चले गए। पहली बार मोबाइल बंद हड़ताल की गई है। ताकि किसी प्रकार की कंप्लेंट अटेंड न की जाए और न ही अधिकारी उन पर काम का दवाब बना सके।

भोपाल में मंत्री-अफसरों को वीआईपी ट्रीटमेंट

माननीयों के लिए सड़कों पर बिखरी चूरी साफ करवा रहा निगम, ताकि धूल-गड्ढों से दिक्कतें न हो

शहर की 50 फीसदी सड़कों की सुध नहीं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

भोपाल में 50 फीसदी सड़कें ऐसी हैं, जो बारिश के कारण जर्जर हो गई है। गड्?ढों में गायब हुई सड़कों के कारण हर रोज लाखों लोग परेशान हो रहे हैं। इनकी परेशानी तो जिम्मेदारों को दिखाई नहीं दे रही, लेकिन जब %माननीयों% को धूल-गड्?ढों से दिक्कतें हुईं तो ताबड़तोड़ वीआईपी ट्रीटमेंट शुरू कर दिया। वल्लभ भवन के आसपास एवं इससे 2-3 किमी के दायरे में ऐसे ही नजारें मंगलवार को दिखाई दे रहे हैं। मंत्री, विधायक और अफसरों के लिए नगर निगम सड़कों पर बिखरी चूरी साफ करवा रहा है। ताकि उन्हें धूल-गड्?ढों से दिक्कतें न हो। वहीं बाकी सड़कों को अपने हाल पर छोड़ दिया है।

मध्य प्रदेश विधानसभा के मानसूनी सत्र के चलते इन दिनों मंत्री-विधायकों ने राजधानी में डेरा डाल रखा है, लेकिन उन्हें विधानसभा भवन के आसपास की सड़कों पर धूल और गड्?ढों का सामना करना पड़ रहा है। गुलाब पार्क से शौर्य स्मारक, अरेरा हिल्स और बिड़ला मंदिर के सामने से गुजरी सड़कों पर जहां गड्ढे हो गए हैं। वहीं चूरी बिखर गई है। इस कारण यहां धूल के गुबार उड़ते रहते हैं। सोमवार को मंत्री-विधायकों को धूल के गुबार के बीच से ही गुजरना पड़ा। जब सड़कों को लेकर मंत्री-विधायकों की नाराजगी सामने आई तो मंगलवार को नगर निगम ने ताबड़तोड़ सुध लेना शुरू कर दी, जबकि पिछले 15-20 दिन से इस सड़क की हालत ठीक नहीं है, लेकिन सुधार नहीं कराया गया।

10 से ज्यादा कर्मचारी सुबह से सफाई में जुटे

फौरी राहत देने के लिए नगर निगम के 10 से ज्यादा कर्मचारी सुबह से ही सफाई करने में जुट गए। वे चूरी साफ कर रहे थे। वहीं पानी का छिड़काव भी किया गया। ताकि धूल न उड़े।

... और ये हैं आम सड़कें, जहां से जनता गुजरती है

मंत्री-विधायक और वरिष्ठ अफसर जिन सड़कों से गुजर रहे हैं, उनकी तो नगर निगम ने सुध ले ली। भले ही फौरी राहत के तौर पर चूरी साफ करवाई जा रही है, लेकिन राजधानी की कई सड़कें ऐसी भी हैं, जो बेहद जर्जर है। यहां से आम जनता ही गुजरती है।

- कोलार गेस्ट हाउस से बैरागढ़ चिचली की 14 किलोमीटर लंबी सड़क पर गड्?ढों की भरमार। कीचड़ भी फैला।
- बावड़ियाकलां में भी हालत जर्जर।
- पुराने शहर के भोपाल टॉकीज के सामने, हमीदिया रोड, करोंद, घोड़ा नक्कास, कोहेफिजा, नवबहार सब्जी मंडी, लोहा बाजार आदि में काफी गहरे गड्?ढे हो गए हैं।
- गिरधर परिसर से सलैया तक की सड़क से पैदल चलना भी मुश्किल। दो सड़क से सड़क का निर्माण चल रहा, पर अधूरा है।
- अयोध्या नगर से ग्राम अरहेड़ी तक सड़क गड्ढों में गायब हो गई है।
- इंद्रपुरी, भेल, आनंद नगर आदि क्षेत्रों में भी सड़कों की हालत ठीक नहीं। कोलार के नयापुरा में ऐसी है सड़क की हालत।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने रोपा सप्तपर्णी का पौधा

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने स्मार्ट उद्यान में आज सप्तपर्णी का पौधा रोपा। इस अवसर पर पूर्व मंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल भी साथ थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान अपने संकल्प के क्रम मे प्रतिदिन पौधा लगा रहे हैं। सप्तपर्णी, एक सदाबहार औषधीय वृक्ष है, जिसका आयुर्वेद में बहुत महत्व है।

मप्र में कोरोना संक्रमण : 24 घंटे में 10 कोरोना संक्रमित मिले, सबसे ज्यादा इंदौर में 4 और रीवा में 2 मामले

» प्रदेश में 7 दिनों में 19 जिलों में 100 पॉजिटिव

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मध्यप्रदेश में मंगलवार को लगातार दूसर दिन संक्रमण के 10 नए केस 4 जिलों में मिले हैं। इसमें इंदौर में 4, भोपाल में 3, रीवा में 2, जबलपुर में 1 केस है। पिछले 7 दिनो में प्रदेश के 19 जिलों में 100 संक्रमित मिले है। अलग-अलग जिलो में संक्रमण मिलने से चिंता बढ़ी हुई है। गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने बताया कि पिछले 24 घंटे में संक्रमण के 10 नए केस आए हैं, जबकि 12 लोग स्वस्थ हुए हैं। प्रदेश में संक्रमण की दर 0.14त्न और रिकवरी रेट 98.80 फीसदी है। सोमवार को कोरोना के 79 हजार लोगों की जांच की गई। अभी प्रदेश में 162 एक्टिव केस है। उन्होंने कहा कि संक्रमण नियंत्रण में है, लेकिन अभी निश्चित नहीं हो सकते है। अभी ज्यादा गंभीर रहने और कोविड प्रोटोकॉल का पालन करने की जरूरत है।

इन जिलों में मिला संक्रमण

पिछले 7 दिनों में सबसे ज्यादा संक्रमित दमोह में 22, इंदौर में 16, भोपाल 15, जबलपुर 12, होशंगाबाद में 9 संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा सागर में 7, धार में 3, छतरपुर, टीकमगढ़, राजगढ़, रीवा में 2-2 और सिवनी, मंदसौर, ग्वालियर, कटनी, डिंडौरी, खरगोन, विदिशा बड़वानी में 1-1 केस सामने आया है।

प्रदेश में 7 दिनो में 100 संक्रमित मिले

बता दें प्रदेश में कोरोना के अलग-अलग जिलो में संक्रमण मिलने से चिंता बढ़ी है। हालांकि मंगलवार को बड़े शहरों को छोड़कर रीवा शहर में संक्रमण मिला है। 7 दिनों में भोपाल, जबलपुर, इंदौर को मिलाकर 19 जिलों में संक्रमण के 100 मामले आ चुके है।

एक और आईपीओ में कर सकते हैं निवेश : एप्टस वैल्यू हाउसिंग फाइनेंस का आईपीओ भी खुला, प्राइस बैंड 346-353 प्रति शेयर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

एप्टस वैल्यू हाउसिंग फाइनेंस कंपनी का आईपीओ आज यानी मंगलवार से खुल गया है। आईपीओ में पैसा लगाने वाले निवेशक 12 अगस्त तक पैसा लगा सकेंगे। जिसके लिए कंपनी ने इश्यू का प्राइस बैंड 346-353 रुपए प्रति शेयर फिक्स किया है। कंपनी आईपीओ के जरिए 2 हजार 780 करोड़ रुपए जुटाएगी।

एक लॉट के लिए कम से कम 14,826 रुपए का निवेश करना होगा: - आईपीओ में निवेश करने के लिए एक लॉट यानी 42 शेयर के लिए बोली लगानी होगी। जिसके लिए निवेशक को कम से कम 14 हजार 826 रुपए निवेश करने होंगे।

500 करोड़ रुपए के फ्रेश शेयर्स जारी: - कंपनी ने 500 करोड़ रुपए के फ्रेश शेयर्स जारी किए हैं। जबकि 2,280 करोड़ रुपए के शेयर ऑफर फॉर सेल के जरिए बेचे जाएंगे। जिसमें प्रमोटर और मौजूदा शेयरहोल्डर्स अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे। आईपीओ से मिलने वाले पैसे का इस्तेमाल कंपनी टियर 1 कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने में करेगी।

एंकर इन्वेस्टर्स से 834 करोड़ रुपए जुटाए:- इश्यू खुलने से एक दिन पहले

कंपनी ने एंकर इन्वेस्टर्स से 834 करोड़ रुपए जुटाए हैं। कंपनी ने 353 रुपए प्रति शेयर के हिसाब से 2.36 करोड़ इक्विटी शेयर एंकर इन्वेस्टर्स को अलॉट किए हैं।

आम निवेशकों के लिए 15 फीसदी हिस्सा रिजर्व:- कंपनी ने आईपीओ में 50 फीसदी क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए रिजर्व रखा है। 35 फीसदी रिटेल इन्वेस्टर्स और 15 फीसदी हिस्सा नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व रखा है।

कंपनी क्या करती है? :- एप्टस वैल्यू हाउसिंग एक रिटेल केंद्रित हाउसिंग फाइनेंस कंपनी है जो ग्रामीण और छोटे शहर में कम और मध्यम आय वाले ग्राहकों को लोन देती है। इसके लोन पोर्टफोलियो में स्व-रोजगार वाले कस्टमर्स की हिस्सेदारी 72 फीसदी से ज्यादा है। मार्च 2021 तक, कंपनी के पास तमिलनाडु, पुडुचेरी, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना में 190 ब्रांच का नेटवर्क था। एप्टस वैल्यू हाउसिंग फाइनेंस कंपनी का आईपीओ आज यानी मंगलवार से खुल गया है। आईपीओ में पैसा लगाने वाले निवेशक 12 अगस्त तक पैसा लगा सकेंगे। जिसके लिए कंपनी ने इश्यू का प्राइस बैंड 346-353 रुपए प्रति शेयर फिक्स किया है। कंपनी आईपीओ के जरिए 2 हजार 780 करोड़ रुपए जुटाएगी। आईपीओ में निवेश करने के लिए एक लॉट यानी 42 शेयर के लिए बोली लगानी होगी। जिसके लिए निवेशक को कम से कम 14 हजार 826 रुपए निवेश करने होंगे।

न्यूज ब्रीफ

जेएसडब्ल्यू स्टील का उत्पादन जुलाई में 11 प्रतिशत बढ़कर 13.82 लाख टन

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू स्टील का कच्चे इस्पात का उत्पादन जुलाई में 11 प्रतिशत बढ़कर 13.82 लाख टन पर पहुंच गया। इससे पिछले साल के समान महीने में कंपनी का उत्पादन 12.46 लाख टन रहा था। जेएसडब्ल्यू स्टील ने बयान में कहा कि समीक्षाधीन महीने में उसका फ्लैट रोल्ड उत्पादों का उत्पादन एक प्रतिशत घटकर 9.34 लाख टन रहा, जो एक साल पहले समान महीने में 9.40 लाख टन था। वहीं इस दौरान कंपनी के लॉन्ग रोल्ड उत्पादों का उत्पादन 28 प्रतिशत बढ़कर 2.40 लाख टन से 3.06 लाख टन पर पहुंच गया। माह के दौरान औसत क्षमता इस्तेमाल 92 प्रतिशत रहा। 13 अरब डॉलर के जेएसडब्ल्यू समूह की कंपनी जेएसडब्ल्यू स्टील देश के प्रमुख इस्पात उत्पादकों में से है।

रुपया शुरुआती कारोबार में 20 पैसे टूटकर 74.46 प्रति डॉलर पर

नई दिल्ली। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में मंगलवार को शुरुआती कारोबार में रुपया 20 पैसे टूटकर 74.46 प्रति डॉलर पर आ गया। अमेरिकी मुद्रा में मजबूती के रुख से रुपये की धारणा कमजोर हुई। रुपया शुरुआत में 74.40 प्रति डॉलर पर खुलने के बाद और नुकसान के साथ 74.46 प्रति डॉलर पर आ गया। सोमवार के बंद स्तर की तुलना में यह 20 पैसे की गिरावट है। सोमवार को रुपया 74.26 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह मुद्राओं की तुलना में अमेरिकी मुद्रा का रुख दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 प्रतिशत की बढ़त के साथ 92.98 पर था। वैश्विक बेंचमार्क ब्रेंट कच्चा तेल 0.43 प्रतिशत की बढ़त के साथ 69.34 प्रति डॉलर पर कारोबार कर रहा था।

बिटकॉइन की कीमत 5 फीसदी बढ़ी

क्रिप्टो करेंसी की कीमतों में 10 फीसदी की तेजी बिटकॉइन का भाव 46 हजार डॉलर के करीब

- क्रिप्टो करेंसी की कीमतों में तेजी की मूल वजह डिजिटल टोकन के रूप में खरीदारी है
- किप्टो करेंसी का कुल मार्केट कैप 5 फीसदी कम होकर 133 लाख करोड़ रुपए रहा है

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

क्रिप्टो करेंसी की कीमतों में पिछले 24 घंटों में जबरदस्त तेजी है। बिटकॉइन की कीमत 5 फीसदी बढ़त के साथ 46 हजार डॉलर के करीब पहुंच गई है। इसके साथ ही अन्य क्रिप्टो करेंसी की कीमतें भी 10 फीसदी तक बढ़ी हैं।

24 घंटों में कीमतों में आई तेजी: - पिछले 24 घंटों में इन करेंसी की कीमतों में अच्छी खासी तेजी दिखी है। बिटकॉइन 45,648 डॉलर पर कारोबार कर रही है। इथरियम 5.30 फीसदी की तेजी के साथ 3,106 डॉलर पर कारोबार कर रही है। डॉगकॉइन में 3.53 फीसदी की तेजी है जबकि पोलकाडाट 5.13 फीसदी की तेजी के साथ 20.32 डॉलर पर कारोबार कर रही है। यूनिस्वैप की कीमत में 9.53 फीसदी की तेजी है। यह 28.69 डॉलर पर है।

डिजिटल टोकन में हो रही है खरीदारी

क्रिप्टो करेंसी की कीमतों में तेजी की मूल वजह डिजिटल टोकन के रूप में खरीदारी है। टॉप 10 क्रिप्टो करेंसी की कीमतें इसकी वजह से बढ़ गई हैं। पूरी दुनिया में क्रिप्टो करेंसी का कुल मार्केट कैप हालांकि 5 फीसदी कम हो गया है। यह 133 लाख करोड़ रुपए रहा है। निवेशक लगातार क्रिप्टो करेंसी से पैसे निकाल रहे हैं।

ग्लोबल रेगुलेटरी स्क्रूटनी लगातार बढ़ रही है

दरअसल ग्लोबल रेगुलेटरी स्क्रूटनी लगातार बढ़ रही है। इससे निवेशक क्रिप्टो में निवेश को लेकर सतर्क हो गए हैं। दुनिया की सबसे लोकप्रिय क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन में से 6 अगस्त को खत्म हुए हफ्ते में 33 मिलियन डॉलर की रकम निकाली गई है। इससे पहले के हफ्ते में 19.7 मिलियन डॉलर की रकम निकाली गई थी। हालांकि इस पूरे साल के दौरान इसमें 4.2 अरब डॉलर का निवेश किया गया है।

एक हफ्ते में 20 फीसदी बढ़ी है बिटकॉइन की कीमत

बिटकॉइन की कीमत पिछले एक हफ्ते में 20 फीसदी बढ़ी है। यह मई मध्य के बाद से अब तक का सबसे ज्यादा भाव है। मई में इसमें काफी बिकवाली हुई थी। इस बढ़त के बावजूद भी निवेशक सतर्क हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि अमेरिका के ट्रेजरी सर्विसेस ने यह सलाह दी है कि इंटरनल रेवेन्यू सर्विसेस को 10 हजार डॉलर से ज्यादा के लेन-देन वाली संपत्तियों की रिपोर्ट की जाए।

डॉगकॉइन सबसे ज्यादा चर्चित करेंसी रही

इस साल डॉगकॉइन सबसे ज्यादा चर्चित करेंसी रही है। ऐसा इसलिए क्योंकि टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने इसमें खरीदारी की बात कही थी। इस साल इस करेंसी में 12 हजार पर्सेंट की तेजी आई थी। मई में यह अपने उच्चतम भाव पर पहुंच गई थी। उस समय यह मार्केट कैप के लिहाज से टॉप 5 क्रिप्टो करेंसी में शामिल हो गई है। हालांकि मई के बाद से यह एक तिहाई नीचे भाव पर कारोबार कर रही है।

कारट्रेड टेक की कहानी

1960 में ऑटो बिजनेस से की शुरुआत, देश में बढ़ते पुरानी गाड़ियों के मार्केट से निकला था आइडिया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

ऑनलाइन ऑटो क्लासिफाइड प्लेटफॉर्म कारट्रेड टेक का IPO 9 अगस्त से खुल गया है। कंपनी पब्लिक इश्यू के जरिए 2,998.51 करोड़ रुपए जुटाएगी। फिनट्रैकर के कैलकुलेशन के मुताबिक 31 मार्च 2021 तक कारट्रेड की मार्केट वैल्यूएशन 7,100 करोड़ रुपए रही, जबकि कंपनी के चेयरमैन और ष्टश्वह्व विनय सांघी ने 2009 में इसे शुरू करने के लिए 1 करोड़ रुपए का निवेश किया था।

1960 से ऑटो बिजनेस से जुड़ा है परिवार:- विनय सांघी ने ऑनलाइन क्लासिफाइड प्लेटफॉर्म कारट्रेड टेक की शुरुआत 2009 में की। वे बताते हैं कि उनकी फैमिली 1960 से ऑटो बिजनेस से जुड़ी हुई है। उन्होंने भी 90 के दशक में अपने करियर के शुरुआती दो साल इसी कारोबार में लगाएं। फिर महिंद्रा फर्स्ट चॉइस के साथ काम किया। जो विनय, महिंद्रा ग्रुप और ।ष्ठस्रष्ट का एक जॉइंट वेंचर है।

आसानी से कार खरीद-बिक्री का आइडिया है कारट्रेड टेक:- उन्होंने कहा कि यहां 10 साल बिताने के

बाद 2009 में कारट्रेड टेक की शुरुआत की। इसे शुरू करने के पीछे का मकसद भारतीय ग्राहकों को आसानी से कार खरीद और बेच सकने वाला प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराना। इसके लिए हमने पहले चार साल पुरानी कार बेच और खरीद कर अनुभव को डेवलप करने में बिताए।

मार्च तिमाही तक 3.2 करोड़ यूनीक विजिटर्स:- 31 मार्च 2021 को समाप्त तिमाही तक कारट्रेड, कारवाले और बाइकवाले के हर महीने करीब 3.2 करोड़ यूनीक विजिटर्स रहे। साथ ही फाइनेंशियल ईयर 2020-21 में श्रीराम ऑटोमाल और अन्य ऑक्शन प्लेटफॉर्म पर 8 लाख 14 हजार 316 गाड़ियां नीलामी (बिडिंग) के लिए लिस्टेड हुईं।

सेमीकंडक्टर कारोबार में उतरेगा टाटा समूह

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टाटा समूह सेमीकंडक्टर विनिर्माण के क्षेत्र में उतरने जा रहा है और इसके लिए उसने एक कारोबारी इकाई भी बना ली है। टाटा समूह के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने आईएमसी चैंबर ऑफ कॉमर्स ऐंड इंडस्ट्री की सालाना आम बैठक में आज इसकी जानकारी दी। सेमीकंडक्टर महंगी कारों में इस्तेमाल होता है और इसके विनिर्माण में बहुत निवेश की जरूरत होती है। भारत में इसे बनाने का कोई कारखाना अभी नहीं हैं। लेकिन इसमें सरगर्मी बढ़ रही हैं। वीडियोकॉन के लिए सबसे बड़ी बोली लगाने वाला वेदांत समूह भी सेमीकंडक्टर क्षेत्र में उतरने की संभावना तलाश रहा है। चंद्रशेखरन ने कहा कि अभी वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला काफी हद तक चीन पर निर्भर है मगर महामारी के बाद कंपनियां दूसरे देशों से आपूर्ति बढ़ा रही हैं, जिससे तस्वीर बहुत बदल

जाएगी। उन्होंने कहा, चीन से आपूर्ति कम किए जाने का फायदा भारत उठा सकता है। टाटा समूह ने उच्च तकनीक वाले इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के लिए इकाई भी गठित की है। घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग सकल घरेलू उत्पाद में 1 लाख करोड़ रुपये का योगदान दे सकता है और इससे लाखों रोजगार सृजित हो सकते हैं।% वैश्विक स्तर पर सेमीकंडक्टर की किल्लत देखी जा रही है। ऐसे में टाटा समूह इस क्षेत्र में उतरकर टाटा मोटर्स, टाटा पावर और दुनिया भर की कंपनियों को सेमीकंडक्टर की आपूर्ति कर पाएगा। टाटा मोटर्स ने हाल ही में घोषणा की थी कि ब्रिटेन में सेमीकंडक्टर की भारी किल्लत की वजह से उसकी सहायक इकाई जगुआर लैंडरोवर को आने वाली तिमाही में बड़ा नुकसान होगा। जेएलआर ने पिछले महीने कहा था कि सेमीकंडक्टर की किल्लत और बढ़ सकती है तथा जुलाई-सितंबर तिमाही में उसके वाहनों की बिक्री पहले के अनुमान से तकरीबन आधी रह सकती है। जेएलआर ने जुलाई में कहा था, आपूर्तिकर्ताओं से मिली जानकारी के अनुसार 30 सितंबर को खत्म होने वाली तिमाही में चिप की कमी पहली तिमाही की तुलना में ज्यादा रह सकती है, जिससे वाहनों की बिक्री अनुमान से 50 फीसदी कम रह सकती है। टाटा मोटर्स और जेएलआर की बिक्री लक्ष्य से पीछे रहने की घोषणा के बाद टाटा मोटर्स का शेयर जून के 355 रुपये के उच्च स्तर से घटकर आज 298 रुपये ही रह गया।

दूरसंचार क्षेत्र को '3+1' के ढांचे को कायम रखने के लिए समर्थन की जरूरत : मित्तल

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारती एयरटेल के चेयरमैन सुनील मित्तल ने उम्मीद जताई है कि सरकार और नियामक क्षेत्र को सतत निवेश का व्यावहारिक स्थान बनाने के लिए कदम उठाएंगे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दूरसंचार क्षेत्र को अपने '3+1' के मौजूदा ढांचे को कायम रखने के लिए 'लंबे विलंबित' समर्थन की जरूरत है। दूरसंचार क्षेत्र के दिग्गज का '3+1' से आशय निजी क्षेत्र की तीन कंपनियों तथा सार्वजनिक क्षेत्र की एक कंपनी से है। मित्तल ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था में दूरसंचार क्षेत्र की भूमिका और व्यापक हुई है और इसके समक्ष चुनौतियां हैं। मित्तल ने एयरटेल की 2020-21 की वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि सतत मूल्य और ऊंचे पूंजी-गहन वातावरण में निचले रिटर्न के साथ पुराने कानूनी मुद्दों से क्षेत्र प्रभावित हुआ है।

एयरटेल के प्रमुख ने कहा, ''उद्योग अपने मौजूदा '3+1' के ढांचे को कायम रखने के लिए लंबे विलंबित समर्थन की जरूरत है। साथ ही क्षेत्र के खिलाड़ियों को अपने निवेश पर सम्मानजनक प्रतिफल मिलना चाहिए।'' मित्तल ने उम्मीद जताई कि सरकार और नियामक उद्योग में उचित संतुलन सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाएंगे जिससे यह निवेश के लिए एक व्यावहारिक क्षेत्र बना रहेगा।

जेएसडब्ल्यू सबको बांटेगी ईसॉप्स

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

जेएसडब्ल्यू समूह ने अपनी कंपनियों जेएसडब्ल्यू स्टील और जेएसडब्ल्यू एनर्जी के सभी कर्मचारियों को शेयर विकल्प (ईसॉप्स) देने की योजना बनाई है। इसका मतलब यह हुआ कि 13 अरब डॉलर का यह समूह अपने कर्मचारियों को पूंजी सृजन के अवसर का तोहफा देगी। इस तरह जेएसडब्ल्यू स्टील के 13,700 और जेएसडब्ल्यू एनर्जी के 1,300 कर्मचारियों यानी कुल 15,000 कर्मचारियों को ईसॉप्स पाने का मौका

मिलेगा। इसके दायरे में सभी कर्मचारी और अधिकारी आएंगे, चाहे वे किसी भी श्रेणी के हों। जेएसडब्ल्यू ग्रुप कॉर्पोरेट में एचआर अध्यक्ष दिलीप पटनायक ने कहा कि विनिर्माण क्षेत्र में यह पहला मौका है, जब कामगार से लेकर शीर्ष प्रबंधन तक सभी को ईसॉप्स दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इसके दायरे में जेएसडब्ल्यू स्टील और उसकी सहायक इकाई जेएसडब्ल्यू एनर्जी के 100 फीसदी कर्मचारी आएंगे। निचली श्रेणी के कर्मचारियों को सालाना सीटीसी (कॉस्ट टू कंपनी) के 60 फीसदी के बराबर ईसॉप्स दिए जाएंगे और उच्च स्तर पर यह 20 फीसदी होगा। लेकिन कंपनी ने स्पष्ट किया कि ईसॉप्स योजना से कर्मचारियों के वेतन पर किसी तरह का असर नहीं पड़ेगा और यह उनके कुल सीटीसी में इजाफा होगा। भारतीय कंपनियों में ईसॉप्स के चलन पर डेलॉयट इंडिया में पार्टनर आरती राउते ने कहा कि भारत में पिछले तीन दशक से ईसॉप्स देने का चलन है लेकिन यह ज्यादातर आईटी क्षेत्र में देखा गया है।

उन्होंने कहा, विनिर्माण क्षेत्र की कंपनियां शेयर विकल्प देने में सतर्कता बरतती हैं। अधिकांश कंपनियां पारंपरिक शेयर विकल्प योजना लाती हैं और यह उच्च प्रबंधन स्तर तक ही सीमित रहता है। स्टार्टअप फर्मों में यह सामान्य है। राउते ने कहा, %प्रतिभा आकर्षित करने के लिए और नकदी की किल्लत के कारण स्टार्टअप के लिए ईसॉप्स आकर्षक होते हैं।

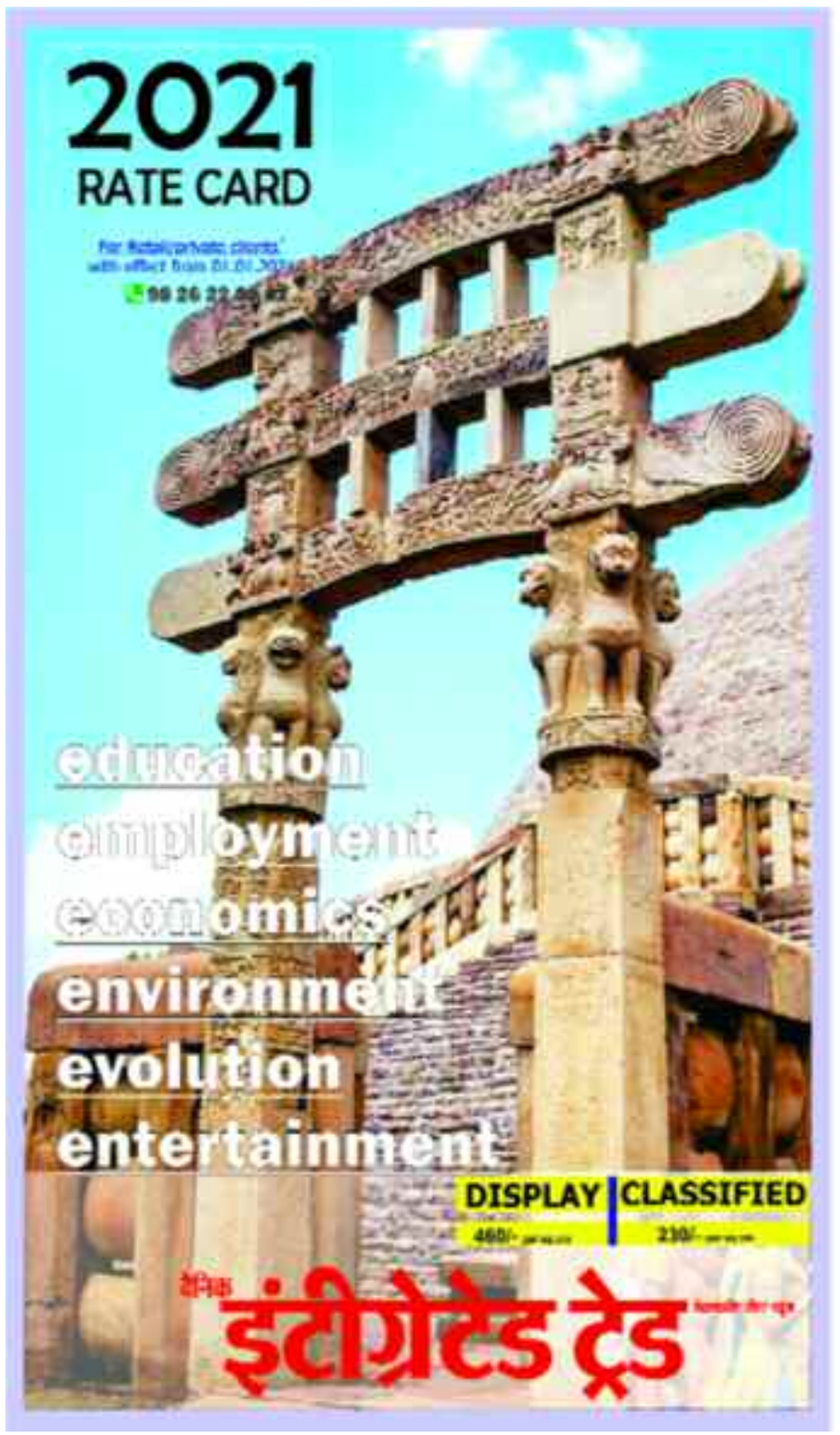

सतत विकास लक्ष्य-2, भुखमरी की समाप्ति

- डॉ. हनुमन्त यादव

सतत विकास लक्ष्यों में दूसरा लक्ष्य- भुखमरी की समाप्ति, खाद्य सुरक्षा प्राप्त करना तथा बेहतर पोषण एवं संधारित कृषि को बढ़ावा देना है। केवल केरल राज्य ही ने इस लक्ष्य को प्राप्त करने में सफलता प्राप्त की है। भारत के तमिलनाडु, आन्ध्रप्रदेश, गोवा, कर्नाटक एवं उत्तराखंड राज्य भी अग्रणी राज्य की श्रेणी में आने की संभावना है।

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के 17 सतत विकास लक्ष्यों का 15 वर्षीय कार्यक्रम जनवरी 2016 से प्रारंभ हुआ जो संयुक्त राष्ट्र संघ का 2030 का एजेंडा भी कहलाता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य अधिक सम्पन्न, अधिक समतावादी और संरक्षित विश्व की रचना करना है। यह कार्यक्रम अपने पांच वर्ष पूरे कर चुका है। भारत में इस कार्यक्रम के क्रियान्वयन करवाने और मॉनिटरिंग का कार्य नीति आयोग द्वारा किया जा रहा है। नीति आयोग द्वारा इस सतत विकास कार्यक्रम लक्ष्य एजेंडे में उल्लिखित 17 विकास लक्ष्यों में से 13 विकास लक्ष्यों में को अध्ययन में शामिल किया गया था। लक्ष्य 12, 13, 14 का मापन भारत में राज्यों द्वारा संभव नहीं हो पा रहा था, इसलिए फि लहाल अध्ययन में शामिल नही है। लक्ष्य 17 चूंकि अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर आधारित है, इसलिए राज्यों में इसका मापन संभव नहीं है। अध्ययन में सतत विकास लक्ष्य कार्यक्रम के 17 विकास लक्ष्यों के साथ उनके 169 सहायक लक्ष्य कार्यक्रम शामिल किए गए हैं। भारत में केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियानवयन मंत्रालय द्वारा विकास एवं मूल्यांकन आंकड़ों के संकलन, परीक्षण, विश्लेषण निष्कर्षों के आकलन एवं रिपोर्ट तैयार करने का कार्य इस मंत्रालय के अधीन विभागों और इससे संबद्ध संस्थानों द्वारा किया जाता है । नेशनल सेम्पल सर्वे संगठन इसी मंत्रालय के अधीन है। इस मंत्रालय द्वारा वर्ष 2019 से भारत में सांख्यिकी के क्षेत्र में विशेष योगदान करने वाले सांख्यिकीविद को सरकार द्वारा सम्मानित करने के लिए राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस को इस कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। सरकार द्वारा राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस का आयोजन बहुत पहले से ही भारत में आधुनिक सांख्यिकी के जनक प्रो. प्रशांतचन्द्र महालनोबिस के जन्मदिन 29 जून को उनके अमूल्य योगदान के सम्मान हेतु स्थापित किया गया था। प्रो. पी.सी. महालनोबीस के जन्मदिन 29 जून को सरकार एवं सांख्यिकी शिक्षण संस्थानों द्वारा राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस समारोह का आयोजन पूरे देश भर के राज्यों की राजधानियों में नेशनल सेम्पल सर्वे संगठन द्वारा आयोजन किया जाता है। वर्ष 2021 के लिए सरकार द्वारा सांख्यिकी दिवस पर आयोजित की जाने वाली परिचर्चा का विषय सतत विकास लक्ष्य-2= भुखमरी की समाप्ति, खाद्य सुरक्षा प्राप्त करना तथा बेहतर पोषण एवं संधारित कृषि को बढ़ावा देना' रखा गया था। इस वर्ष कोविड-19 के कारण कार्यक्रम का आयोजन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग व वेबकॉस्टिंग के माध्यम से किया गया था। जो विषय परिचर्चा हेतु चुना गया था वह बहुत महत्वपूर्ण था। आज की मेरी चर्चा भी भारत में सतत विकास लक्ष्य कार्यक्रम विशेषकर उसके लक्ष्य क्रमांक 2 की 2015-20 की 5 वर्ष की अवधि पर आधारित है । संयुक्त राष्ट्र विकास समाधान नेटवर्क एसडीएसएन और बर्टल्समैन स्टिफटंग द्वारा संयुक्त रूप से सतत विकास कार्यक्रम लक्ष्य सूचकांक और डैशबोर्डस रिपोर्ट वर्ष 2016 से हर वर्ष नियमित रूप से जारी की जा रही है। सतत विकास लक्ष्य सूचकांक तैयार करने का उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र संघ के सदस्य देशों द्वारा सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति का आकलन करना है। संयुक्त राष्ट्र संघ के 157 सदस्य देशों की प्रगति मापन के लिए सूचकांक में 0 से 100 के बीच प्राप्तांक दिए जाते हैं। शून्य प्राप्तांक सबसे खराब स्थिति तथा 100 प्राप्तांक सबसे बेहतर स्थिति को दर्शाते हैं। इस प्रकार संयुक्त राष्ट्र संघ के जो सदस्य देश सतत विकास कार्यक्रम के क्रियान्वयन में जितना अग्रणी हैं, उनका सूचकांक भी उतना ही अधिक है। जून 2021 में जारी 2021 की रैंकिंग में वर्ष 2021 में फिनलैंड 85.9 अंक प्राप्त करके प्रथम स्थान पर पहुंच गया है जबकि स्वीडन 85.6 अंक के साथ दूसरे स्थान पर आ गया है। तीसरे स्थान पर डेनमार्क 84.9 अंक, चौथे स्थान पर जर्मनी 82.5 अंक, पांचवे स्थान पर बेल्जियम 82.2 अंक, छठवें स्थान पर ऑस्ट्रिया 82.1 अंक और सातवें स्थान पर नार्वे 82.0 अंक के साथ रहे। फ्रांस, स्लोवानिया, इथोपिया और नीदरलैंड भी उच्च स्थान वाले देशों में थे। सबसे अधिक फिसड्डी देशों में अफ्रीकी महाद्वीप के पांच देश थे। जून 2021 में जारी 2021 की रैंकिंग में 157 देशों में भारत का प्राप्तांक 60.1 था इस कारण वह 120वें स्थान पर रहा। भारत से बेहतर स्थिति में इसके पड़ोसी देश भूटान 75.0, बांग्लादेश 82.0, श्रीलंका 87.0 और नेपाल 96वें स्थान पर थे। पाकिस्तान की स्थिति भारत से अधिक खराब थी। भारत में नीति आयोग द्वारा राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों को उनके प्राप्तांक एवं उनका वर्ग अपने इंटरएक्टिव डैश बोर्ड पर उपलब्ध करवाया जाता है। कुल 13 एसडीजी के संदर्भ में राज्य और केन्द्र शासित प्रदेश के प्रदर्शन को 0-100 के पैमाने पर मापा गया है। यदि किसी राज्य ने 100 अंक प्राप्त कर लिए हैं तो उसका मतलब यह हुआ कि 2030 में प्राप्त होने वाले लक्ष्य 2030 में ही प्राप्त कर लिए गए हैं और दूसरा और यदि किसी राज्य को शून्य अंक मिलता है तो उसका मतलब यह हुआ कि राज्य ने पिछले 5 वर्षों में किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने में कोई प्रगति नहीं की है।

संपादकीय

बंजर मैदानों में उपजते खिलाड़ी

टोक्यो ओलंपिक कई अर्थों में अद्भुत रहा। यह सिर्फ इसलिए उल्लेखनीय नहीं है कि इसमें भारत ने अब तक के सबसे अधिक पदक जीते, पहली बार ट्रैक एवं फील्ड प्रतियोगिताओं में न केवल कोई पदक, बल्कि स्वर्ण पदक जीता या हॉकी में करीब 40 साल का सूखा समाप्त हुआ, वरन बहुत से दूसरे कारण भी हैं, जिनके लिए इस खेल महोत्सव को याद किया जाना चाहिए। देश की आजादी के 75वें वर्ष में मुझे यह भारतीय लोकतंत्र के विराट उत्सव की तरह लगता है। सिर्फ आंकड़ों में 130 करोड़ की आबादी वाले देश में एक स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदक बहुत कम लग सकते हैं, या यूं भी कहा जा सकता है कि पदक तालिका में तमाम छोटे और गरीब अफ्रीकी, लैटिन अमेरिकी देशों के नीचे खुद को पाकर खुश नहीं हुआ जा सकता, पर जो उपलब्धियां दृश्य या अदृश्य रूप में हासिल हुई हैं, वे इसकी पुष्टि तो कर ही सकती हैं कि सारे विचलनों के बावजूद इस महादेश में लोकतंत्र की बंजर नजर आती जमीन में हरे कोंपल मौका मिलते ही खिलने लगते हैं। ओलंपिक के सवा सौ साल के इतिहास में यह पहला मौका था, जब खिलाड़ियों ने लैंगिक असमानता की हदें काफी हद तक तोड़ दीं। पदक तालिका में ऊपरी पायदान पर खड़े कई मुल्कों के दलों में पुरुष खिलाड़ियों से अधिक महिलाएं थीं। कुछ वर्ष पूर्व यह कल्पना करना भी मुश्किल था कि इतनी बड़ी संख्या में लड़कियां भारतीय दल में होंगी। वह भी उस हरियाणा से, जो हमारी पारंपरिक समझ के मुताबिक स्त्री-विरोधी समाज है। लैंगिक अनुपात के मामले में देश में फिसड्डी माने जाने वाले हरियाणा ने टीम को सबसे

अधिक महिला खिलाड़ी दिए। इन खिलाड़ियों की कहानियां पुरुष वर्चस्व की चुनौतियों और खाप जैसे संगठनों से लड़ने व जीतने की गाथाएं हैं। लगभग सभी के खेल जुनून को परिवार या पड़ोसियों के तानों से टकराना पड़ा। हर विवरण में मां, पिता, दादा या नानी के रूप में एक मजबूत समर्थन मौजूद है, जो सारी बाधाओं के खिलाफ एक ढाल के रूप में खड़ा रहा। यह उल्लेखनीय है कि छह व्यक्तिगत पदक विजेताओं में आधी लड़कियां हैं। इस ओलंपिक की सफलता की कहानियां पढ़ते समय मुझे वर्षों पहले देखा एक नाइजीरियाई वीडियो याद आया। एक सुदूर और अभावग्रस्त इलाके में दर्जनों कुपोषित बच्चों के बीच एक चमचमाती लंबी कार खड़ी है। खुद को घेरकर खड़े बच्चों को फुटबॉल के कुछ गुर दिखाकर एक कोच उन्हें बता रहा है कि अगर वे इन्हें सीख लें, तो कार उनकी हो सकती है। भारतीय संदर्भ में यह कार सरकारी नौकरी है। मुझे बचपन की एक कहावत याद आ रही है- पढ़ोगे-लिखोगे बनोगे नवाब, खेलोगे-कूदोगे होगे खराब। इस खराब होने का मतलब था, कोई अच्छी सरकारी नौकरी नहीं मिलेगी। यदि हम पाखंड को कुछ देर के लिए दरकिनार कर दें, तो हमें मानने में कोई हर्ज नहीं होगा कि हमारे यहां शिक्षा हासिल करने का मुख्य मकसद एक अच्छी (आमतौर से सरकारी) नौकरी हासिल करना है। और, अब तो किसी बड़ी प्रतियोगिता में सफलता हासिल होते ही ग्लैमर और सात-आठ अंकों वाले इनाम-इकराम की बौछार अतिरिक्त आकर्षण बन गए हैं। सरकार ने भी खेलो इंडिया जैसे कार्यक्रमों के जरिये खिलाड़ियों को संसाधन मुहैया कराए हैं।

लोकतंत्र की सफलता का मुख्य निकष अपने नागरिकों को मेहनत कर आर्थिक समृद्धि में अपना हिस्सा हासिल करने का अवसर प्रदान करना होता है। कम से कम इस कसौटी पर तो भारतीय लोकतंत्र कुछ हद तक सफल होता दिखा। ज्यादातर खिलाड़ी अर्थ और वर्ण जैसे दो पैमानों पर जांचने में हाशिये पर ही दिखेंगे। कभी कोई समाजशास्त्री अपने औजारों से ओलंपिक खिलाड़ियों का विश्लेषण करेगा, तो उसे भारतीय समाज की पारंपरिक समझ गड़बड़ाती नजर आएगी। वह पाएगा कि इनमें आधे से ज्यादा दलित और पिछड़ी जातियों से आते हैं, जिन्हें आमतौर से नेतृत्व की भूमिका नहीं दी गई है, पर एक बार वर्ण की जकड़न से मुक्त होते ही उनकी रचनात्मकता का शिखर क्या होगा, यह उन्होंने दिखा दिया। मुझे इसकी तुलना 1971 के युद्ध से करने का मन कर रहा है, जिसे इतिहास की ज्यादातर बड़ी लड़ाइयां हारने वाला समाज पिछड़ों और दलितों की निर्णायक भागीदारी के चलते जीत गया। वर्ण की यह जकड़न कितनी मजबूत है, इसका पता इससे भी चलता है कि महिला हॉकी टीम की स्टार खिलाड़ी वंदना कटारिया की सफलता से चिढ़कर उनके कुछ पड़ोसियों ने उनके खिलाफ जातिसूचक गंदे नारे लगाए। यह एक अलग दिलचस्प तथ्य है कि तीन में दो अभियुक्त खुद पिछड़ी जातियों के हैं और दो प्रदेश स्तर के हॉकी खिलाड़ी रह चुके हैं। वर्ण के अतिरिक्त आर्थिक असमानता पर भी इस बार एक दिख सकने वाला प्रहार हुआ। ज्यादातर खिलाड़ियों के परिवारों की आर्थिक स्थितियां ऐसी नहीं थीं कि वे अपने बच्चों को खेलों की महंगी तैयारियां करा सकें। कई माओं ने घरों में चौका-बासन किए, कई पिताओं ने हाड़-तोड़ मेहनत कर बच्चों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराए और उन रातों का हिसाब लगाना तो संभव ही नहीं, जब परिवार के सदस्य पेट भरे होने का बहाना बनाकर भूखे सो गए, ताकि भविष्य के खिलाड़ी की जरूरत पूरी हो सके।

पुलिस थानों को अपराध मुक्त करने की आवश्यकता

नागरिकों की स्वतंत्रता की गारंटी संविधान देता है लेकिन उसका हनन सहजता से एक सामान्य सा पुलिस वाला कर देता है। लोगों को असंवैधानिक तरीके से रोककर रखना, गैरकानूनी रूप से घरों-दफ्तरों की बिना सर्च वारंट के तलाशी लेना, आरोपी के रिश्तेदारों को प्रताड़ित करना, गालीगलौज, मारपीट, उनसे पैसे या सामग्री छीन लेना, उन्हें गलत बयानी हेतु मजबूर करना, वक्त पर आरोपपत्र पेश न करना, शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करने जैसे कई उदाहरण आम हैं।

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एनवी रमन्ना ने देश के पुलिस थानों में हो रहे मानवाधिकार हनन की गंभीरता की ओर ध्यान दिलाया है। जस्टिस रमन्ना भारतीय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (एनएएसएलए) के विजन एंड मिशन स्टेटमेंट एनएएसएलए के लिए विकसित एप के लांचिंग के अवसर पर बोल रहे थे। उनके बयान की सार्थकता इसी में है कि देश भर के थानों को मानवाधिकार हनन की प्रवृत्ति से मुक्त किया जाए। हमारे थानों की पहचान यातना केन्द्रों के रूप में होती है जहां न्याय माने के लिए जाने वालों की रूहें कांप उठती हैं। बिना जान-पहचान या प्रभावशाली लोगों की मदद के बगैर आप थाने में पांव भी नहीं धर सकते। हमारे यहां तो थाना-कचहरियों से दूर रहने को ही सबसे बड़ी समझदारी बतलाई गई है। समाज में होने वाले किसी भी तरह के अन्याय से छुटकारा पाने की पहली सीढ़ी पुलिस ही होती है, लेकिन वास्तविकता यही है कि वहां जाकर इन तकलीफों में इज़ाफा ही होता है। थानों में न केवल पैसा चलता है बल्कि सबूतों के साथ सर्वाधिक छेड़छाड़ और उन्हें मिटाने तक के काम धड़ल्ले से होते हैं। इस चक्की में वे ही पिसे जाते हैं जिनके पास या तो पैसे नहीं होते या किसी प्रभावशाली व्यक्ति का वरदहस्त नहीं होता। देश के ज्यादातर पुलिस स्टेशन साधनहीन लोगों के लिये यातनागृह हैं। गरीब, दलित, आदिवासी, महिलाएं, कमजोर तबके के लोग इसका सर्वाधिक शिकार होते हैं। समय-समय पर अनेक लोगों ने इस कटु यथार्थ की ओर ध्यान तो दिलाया है परन्तु उस दिशा में कुछ भी सार्थक नहीं हुआ है।

हाल ही में स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा था कि पुलिस को अपनी छवि सुधारे जाने की आवश्यकता है। पुलिस की छवि का सीधा संबंध असल में पुलिस स्टेशनों की कार्यपद्धति से है जो नागरिकों के बुनियादी अधिकारों पर चोट पहुंचाती है। नागरिकों की स्वतंत्रता की गारंटी संविधान देता है लेकिन उसका हनन सहजता से एक सामान्य सा पुलिस वाला कर देता है। लोगों को असंवैधानिक तरीके से रोककर रखना, गैरकानूनी रूप से घरों-दफ्तरों की बिना सर्च वारंट के तलाशी लेना, आरोपी के रिश्तेदारों को प्रताड़ित करना, गालीगलौज, मारपीट, उनसे पैसे या सामग्री छीन लेना, उन्हें गलत बयानी हेतु मजबूर करना, वक्त पर आरोपपत्र पेश न करना, शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करने जैसे कई उदाहरण आम हैं। आरोप उगलवाने अथवा झूठे आरोप स्वीकार कराने के नाम पर असंख्य तरीके से उनके नैसर्गिक व संवैधानिक हकों को कुचला जाता है। पुलिस का राज्य समर्थित दुरुपयोग और भी भयानक है। मारपीट, दंगे, शासकीय कामों में बाधा पहुंचाने से लेकर राजद्रोह तक के झूठे मुकदमे पुलिस के जरिये ही राजनैतिक एवं मानवाधिकार कार्यकर्ताओं पर दर्ज होते हैं। देश भर की जेलों में असंख्य ऐसे कार्यकर्ताओं को जेलों में ठूंसकर रखा गया है जो सरकार के खिलाफ होते हैं या उसकी आलोचना करते हैं। यह कार्य भी पुलिस के जरिये ही होता है। हालांकि अनेक न्यायाधीश अलग-अलग फोरमों या न्यायालयों की आसंदी से प्रकरणों की सुनवाई के दौरान भी यह राय जाहिर कर चुके हैं। कभी वे सरकार को फटकार लगाते हैं तो कभी पुलिस को। फिर भी, पुलिस स्टेशनों के माध्यम से लोगों के मानवाधिकार हनन से न तो सरकारें बाज आती हैं और न ही स्वयं पुलिस। इस स्थिति के लिए पुलिस के कामों में राजनैतिक दुरुपयोग एक बहुत बड़ा कारण है। जिस पार्टी की सरकार होती है या जिन व्यक्तियों, वर्गों, समुदायों या सम्प्रदायों का सरकार को समर्थन-साथ होता है, उन्हें थानों में विशेष तवज्जो दी जाती है। विरोधियों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार किया जाता है। स्वयं सरकारें ऐसे राजनैतिक दुरुपयोग को बढ़ावा देती हैं।

ऐसा भी नहीं है कि पुलिस में ही सारी खोट है। उन पर भी कई तरह के दबाव होते हैं। सीमित बल संख्या, कम थाने, सुविधाओं का अभाव जैसी परिस्थितियां उनके काम को दुरुह बनाती हैं। उन्हें कई तरह के काम थमाए जाते हैं जिससे लोगों को न्याय देने का उनका काम प्रभावित होता है। भारत में पुलिस का कामकाज सुधारने के लिए 1902-03 में एन्ड्र्यू फ्रेजर व लॉर्ड कर्जन कमेटी से लेकर जस्टिस जेएस वर्मा आयोग (2013) तक कई आयोगों व समितियों ने अपनी रिपोर्टें पेश कीं परन्तु समग्रता व गंभीरता से किसी पर काम नहीं हुआ।

मानवाधिकारों के मामले में भारत की रैंकिंग विश्व सूची में काफी नीचे है। संयुक्त राष्ट्र संघ का सदस्य होने के नाते भारत अपने नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए वचनबद्ध तो है पर व्यवहारिक रूप से वह इस दिशा में बेहद असफल राष्ट्रों में से एक है। मानवाधिकारों की रक्षा की पहली सीढ़ी पुलिस स्टेशन ही हैं। देखना यह होगा कि जस्टिस रमन्ना की इस टिप्पणी का सरकार पर कितना असर होता है और वह क्या कदम उठाती है। इस बात में इसलिए शक है क्योंकि वर्तमान की केन्द्र सरकार मानवाधिकार हनन के मामले में व्यापक रूप से जिम्मेदार रही है।

पर्यावरण और स्वास्थ्य की रक्षा के लिए बढ़ाना होगा वन क्षेत्र

- आलोक शुक्ला

वनों की कटाई के कारण पेड़ों की संख्या घट रही है और भूमि का क्षरण बढ़ रहा है। पेड़ कटाई के कड़े नियमों और काटे गये पेड़ों के बदले वृक्षारोपण से इस समस्या पर कुछ हद तक काबू पाया जा सकता है किन्तु वनों की कटाई के कारण जो नुकसान होता है उसकी भरपाई नहीं होती है क्योंकि जंगल की पहचान ही बदल जाती है और उसका प्राकृतिक रूप फिर से प्राप्त नहीं किया जा सकता। वृक्षों और विभिन्न वनस्पतियों का अध्ययन, उनके औषधीय गुणों का अभ्यास एवं विश्लेषण भारतीय आयुर्वेद परंपरा का अविभाज्य अंग है। मानव जीवन में वृक्षों की उपयोगिता को अधोरेखित कर हमारे मनीषियों ने उन्हें सांस्कृतिक रीति-रिवाज़ों से जोड़ दिया है। आज भी धार्मिक समारोहों में हवन के समय आम, पीपल, बरगद, पलाश, अशोक, चंदन आदि वृक्षों की समिधा का उपयोग किया जाता है। प्राकृतिक चक्र के संतुलन में वनों की अहम भूमिका होती है और वर्षा का सीधा संबंध वनों की उपस्थिति से जुड़ा है। वन क्षेत्र के मामले में भारत दुनिया के शीर्ष 10 देशों में आता है। अन्य 9 देश रूस, ब्राजील, कनाडा, अमेरिका, चीन, ऑस्ट्रेलिया, कांगो, इंडोनेशिया और पेरू हैं। इनमें जनसंख्या का घनत्व 150 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है जबकि भारत में यह 382 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी है। वैश्विक वन संसाधन मूल्यांकन 2020 की रिपोर्ट के मुताबिक विश्व में कुल 4.06 बिलियन हेक्टेयर वन हैं। यह कुल भूमि क्षेत्र का करीब 31 प्रतिशत है। यह भी उल्लेखनीय है कि रूस, ब्राज़ील, कनाडा, अमेरिका और चीन में विश्व के 54 प्रतिशत से अधिक वन हैं। घने वन क्षेत्र वायुमंडल से सर्वाधिक मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड सोखने का काम करते हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार वायु में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा संतुलित रहनी चाहिए। इससे वातावरण का तापमान कम रहेगा और मृदा की उर्वरता बढ़ने से वनस्पति बढ़ेगी। कार्बनिक रूप में कार्बन ह्यूमिक एसिड एवं फ्यूमिक एसिड के रूप में रहता है। यह मृदा की पीएच वैल्यू को 6 से 7 के बीच रखता है, जो कि पौधों की वृद्धि के लिए आवश्यक है। पौधे वृक्ष बन कर वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर कार्बन के रूप में संचित करते हैं। इससे ऑक्सीजन की मात्रा में वृद्धि होती है और तापमान नियंत्रित रहता है। स्पष्ट है कि जहां जितना अधिक वनाच्छादित क्षेत्र होगा वहां उतनी ही शुद्ध ऑक्सीजन हवा के रूप में मिलेगी जो कि स्वास्थ्य के लिए प्रकृति प्रदत्त उपहार है।

भारतीय वन सर्वेक्षण द्वारा 2019 में तैयार की गई रिपोर्ट को पेश करते हुए तत्कालीन मंत्री प्रकाश जावडेकर ने कहा था कि भारत आज पेरिस समझौते के लक्ष्यों की ओर बढ़ रहा है। उल्लेखनीय है कि पेरिस जलवायु समझौते के तहत भारत को 2030 तक 33 प्रतिशत लक्ष्य हासिल करना था लेकिन अभी वह लक्ष्य से काफी दूर है। पूर्वोत्तर में 765 वर्ग किमी के वन घटने पर भी जावडेकर ने चिंता जाहिर की थी। भारतीय वन सर्वेक्षण का डाटा यह तो बताता है कि देश का फॉरेस्ट कवर पिछले 17 वर्षों में पांच प्रतिशत बढ़ा है लेकिन हमें यह भी देखना चाहिए कि फॉरेस्ट एरिया घटा है। भारतीय वन नियमों के अनुसार उस भूभाग को फॉरेस्ट कवर कहा जाता है जिसका दायरा एक हेक्टेयर का हो और जिसमें वृक्ष वितान (कैनपी) की सघनता दस प्रतिशत से ज्यादा है।

वन संरक्षण में दक्षिण भारतीय राज्य देश के बाकी हिस्सों के लिए उदाहरण हैं। कर्नाटक ने 1025 वर्ग किमी के साथ देश में सबसे अधिक वन आवरण की वृद्धि की। इसके बाद आंध्र प्रदेश (990 वर्ग किमी), केरल (823 वर्ग किमी), जम्मू-कश्मीर (371 वर्ग किमी) और हिमाचल प्रदेश (334 वर्ग किमी) ने वन संरक्षण में अपना योगदान दिया। देश में सबसे ज्यादा 77482 वर्ग किमी जंगल मध्यप्रदेश में हैं। इसके बाद अरुणाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़ 55,611 वर्ग किमी, ओडिशा 51,619, महाराष्ट्र 50,778 और कर्नाटक 38,575 वर्ग किमी के साथ आते हैं। भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 24.56 फीसदी हिस्सा ही वनाच्छादित है। छत्तीसगढ़ का 44 फीसदी से कुछ अधिक भाग वन क्षेत्र है किंतु वन भूमि के पट्टे के असमान वितरण से वनाच्छादित क्षेत्र तेजी से कम हो रहे हैं जो कि चिंताजनक है। 1988 में बनी भारत की राष्ट्रीय वन नीति का लक्ष्य भारत में वन क्षेत्र को कुल क्षेत्रफल के एक तिहाई तक लाना है। ग्रीन इंडिया मिशन के तहत केंद्र एवं राज्य सरकार की सहभागिता से वन या वृक्ष क्षेत्र में वृद्धि कर जैव विविधता में सुधार, वनों में एवं आसपास रहने वाले लोगों की वन आधारित आजीविका आय में वृद्धि करना है।

भारत की वन संपदा पूरे विश्व में अनूठी और विशिष्ट है। भारत के अलग-अलग क्षेत्रों में जलवायु विविधता के कारण यह विभिन्नता है। इस विशेषता के कारण भारत को कई वानस्पतिक क्षेत्रों, यथा पूर्वी हिमालय, पश्चिमी हिमालय, सिंध व गंगा के मैदान, मध्य भारत तथा दख्खन, असम और मलाबार में विभाजित किया गया है। इसके अतिरिक्त अंडमान द्वीप समूह भी एक अलग वनस्पति क्षेत्र है।

पुनर्जन्म मांगे है

एक अरसे से कोई गीत
दफ़न है मन में
सूनी गलियां दिखें तो
पुनर्जन्म मांगे है।

लाख बहाने हैं मेरे पास
उसे कहने को।
कई यादें हैं उसके पास
मौन रहने को।
बहरी दुनिया में गूंजने के
भला क्या माने!
जिनकी मुट्ठी में नमक है
वो जलन क्या जानें।

बन्द आँखों में एक चाँद
लिए सोऊँ तो
रात फिर रात भर दिनों का
भरम जागे है।

मुझसे पहले भी कितने
गीतऋषि रोये हैं।
सबने आधी उमर के मायने
भिगोये हैं।
लौट आये उन्ही के गीत
उनके कानों में।
ओढ़ा सन्यास है थक हार
के वीरानों में।

भूल जाओ कभी वापस न
आ सकूंगा मैं
अब तो हर छाँह मुझे
बोधिवृक्ष लागे है।

सिद्धार्थ मल्होत्रा की बाहों में दिखीं कियारा आडवाणी

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी और एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म शेरशाह के प्रमोशन में बिजी हैं। अफवाहें हैं कि कियारा इन दिनों सिद्धार्थ को डेट कर रही हैं। हालांकि इन बारें में दोनों ने अभी तक कुछ नहीं कहा है, लेकिन दोनों को साथ-साथ टाइम स्पेंड करते हुए और एक दूसरे घर के सामने कई बार स्पॉट किया गया। इतना ही नहीं बी-टाउन ये रयूमर्ड लवबर्ड्स सोशल मीडिया पर तस्वीरें और वीडियो साझा करते रहे हैं। इसी बीच इस रयूमर्ड लवबर्ड्स का एक रोमांटिक वीडियो सामने आया है जो लोगों को काफी पंसद आ रहा है।

कियारा और सिद्धार्थ का रोमांटिक वीडियो

दरअसल, कियारा और सिद्धार्थ ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल्स पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें दोनों शेरशाह के गाने राता लम्बियां लम्बियां पर परफॉर्म करते दिख रहे हैं। वीडियो में दोनों की बेहतरीन केमिस्ट्री देखने को मिल रही है। वीडियो में जहां कियारा वाइन कलर की साड़ी पहने आगे-आगे चलती दिख रही हैं तो वहीं आर्मी जैकेट पहने सिद्धार्थ कियारा के पीछे-पीछे धीरे-धीरे चलते दिख रहे हैं। वीडियो के आगे क्लिप में सिद्धार्थ -कियारा एक दूसरे से रोमांटिक अंदाज में एक दूसरे की बाहों में दिखाई देते हैं।

फैंस को पंसद आया कियारा-सिड का रोमांटिक अंदाज

सिद्धार्थ-कियारा के इस वीडियो को देखकर उनके चाहने वाले बेहद खुश हैं। फैंस इस वीडियो पर लगातार कॉमेंट कर इस कपल की तारीफें कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, उफ्फ उफ्फ! प्योर लव गोल है। एक दूसरे ने लिखा, क्या जोड़ी है माय गॉड,। तीसरे फैन ने लिखा, आप दोनों एक साथ बहुत खुश लग रहे हैं।

जानिए कब और कहां देखें कियारा और सिद्धार्थ की फिल्म शेरशाह

सिद्धार्थ-कियारा पहली बार एक साथ किसी फिल्म स्क्रीन पर दिखने वाले हैं। इन दोनों की अपकमिंग फिल्म शेरशाह 12 अगस्त से अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम किया जाएगा। फिल्म शेरशाह कैप्टन कारगिल वार के अमर शहीद विक्रम बत्रा की कहानी है। सिद्धार्थ मल्होत्रा विक्रम बत्रा के किरदार में दिखेंगे, वहीं कियारा आडवाणी उनकी गर्लफ्रेंड डिंपल चीमा के किरदार में दिखेंगी। विक्रम बत्रा जब 25 साल की उम्र में कारगिल युद्ध में शहीद हो गए थे तो डिंपल ने भी उसके बाद किसी और से शादी नहीं की।

मालदीव में छुट्टियां बिता रहीं सना खान

सना खान ने ग्लैमर इंडस्ट्री छोड़ दी है लेकिन वह अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में रहती हैं। शादी के बाद सना ने ऐलान कर दिया था कि अब वह एक्टिंग नहीं करेंगी। इस वक्त वह अपने पति अनस सैयद के साथ मालदीव में छुट्टियां बिता रही हैं। सना ने वहां से कई तस्वीरें और वीडियो शेयर किए हैं। वीडियो में उन्हें एयरपोर्ट पर नमाज अदा करते हुए देखा जा सकता है।

एयरपोर्ट पर नमाज अदा की: कोविड के चलते लंबे समय के बाद सना अपने पति के साथ छुट्टियां बिताने मालदीव पहुंची हैं। एयरपोर्ट पर वह सुरक्षा के तमाम एहतियात बरतते दिखीं। सना बताती हैं कि वह कितनी खुश हैं इस ट्रिप को लेकर। वह उछलते कूदते हुए गाड़ी में बैठती हैं। इसके बाद वह कहती हैं कि 'हमने एयरपोर्ट पर ही नमाज अदा की क्योंकि नमाज कजा करना अच्छा नहीं है।'

एंजॉय कर रहीं छुट्टी: इसके बाद वह सी-प्लेन से मालदीव के लिए रवाना होती हैं। जहां वह वॉटर विला में रुकती हैं। पति के साथ वह ड्रिंक एंजॉय करती हैं। सना इस दौरान सफेद और ब्लैक कलर के बुर्के में हैं। वहीं उनके पति ने सफेद कुर्ता पैजामा पहना हुआ है।

सुकून के पल: इसके अलावा सना ने अपनी तस्वीरें साझा की हैं जिनमें वह बीच पर रिलैक्स कर रही हैं। उन्होंने बताया कि उनके पति ने उनकी ये तस्वीरें क्लिक की हैं। उन्होंने पर्पल कलर का बुर्का पहना हुआ है। वह सुकून से समंदर को निहार रही हैं।

महामारी की वजह से 2 साल से खाली बैठे एक्टर विवियन डीसेना बोले- मैं एक अच्छे शो के आने का इंतजार कर रहा हूं

जहां तक इंडस्ट्री में लोगों और दोस्तों के संपर्क में रहने की बात है, तो मैं सोशल मीडिया पर ऐसा नहीं करता। न ही मैं उन लोगों के नामों की अनाउंसमेंट करना पसंद करता हूं, जो मुझ पर नजर रखते हैं। अगर मैं किसी दोस्त से बात करना चाहता हूं, तो मैं इंस्टा लाइव पर नहीं बल्कि एक प्राइवेट वीडियो कॉल पर करूंगा।

टीवी एक्टर विवियन डीसेना ने दो साल पहले अपने हिट टीवी शो, शक्ति अस्तित्व के एहसास की को छोड़ दिया था, ने एक इंटरव्यू में बातचीत के दौरान कहा कि हर किसी का करियर कोरोना की वजह से प्रभावित हुआ है, न कि सिर्फ मेरा। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वो एक अच्छे शो के आने का इंतजार कर रहे हैं।

विवियन को घर पर रहना बहुत पसंद है: विवियन, आगे कहते हैं, आज के समय में, दोस्ती का मतलब सोशल होना है, लेकिन बाहर जाना मेरे लिए एक टास्क है। मुझे घर पर रहना पसंद है। जहां तक इंडस्ट्री में लोगों और दोस्तों के संपर्क में रहने की बात है, तो मैं सोशल मीडिया पर ऐसा नहीं करता। न ही मैं उन लोगों के नामों की अनाउंसमेंट करना पसंद करता हूं, जो मुझ पर नजर रखते हैं। अगर मैं किसी दोस्त से बात करना चाहता हूं, तो मैं इंस्टा लाइव पर नहीं बल्कि एक प्राइवेट वीडियो कॉल पर करूंगा। इन दिनों यह चलन है कि पुराने या नए शो के दो को-एक्टर्स फैन्स के साथ ऑनलाइन चैट करते हैं, लेकिन मैं ऐसा नहीं कर सकता। यह बहुत फॉर्मल हो जाएगा।

विवियन का करियर हो गया है कोविड से प्रभावित: विवियन कहते हैं, सिर्फ मेरा करियर ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया का करियर कोविड से प्रभावित हुआ है जैसा कि हर इंडस्ट्री पर होता है। जब आप घर में बंद होते हैं और आप काम पर नहीं जा रहे होते हैं, जिसका अर्थ है कि इकोनॉमी में गिरावट आएगी। हर कोई उतार-चढ़ाव से गुजरता है। करियर ठप हो गया है। मैं कोई अलग नहीं हूं। मैं एक अच्छे शो के आने का इंतजार कर रहा हूं। मेरा मानना है कि अच्छी चीजें अपना समय लेती हैं। हमें धैर्य रखने की जरूरत है। यही कुंजी है। पास्ट में, धैर्य ने मेरा साथ दिया है और मुझे उम्मीद है कि इस बार भी यही होगा।

विवियन फैन्स के लिए सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टिव हो गए हैं: हालांकि, इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि पिछले एक साल में विवियन सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टिव हो गए हैं और उनके पास इसके अपने कारण हैं। इस बात पर वो कहते हैं, यह मेरे फैन्स के लिए है, जो मुझे बहुत याद करते हैं क्योंकि मैं स्क्रीन पर नहीं रहा हूं। पहले मेरे शो के जरिए उन्हें मेरा डेली डोज मिल जाता था। मुझे बातचीत के लिए कई मैसेज आते रहते हैं, इसलिए अब मैं एक प्रयास करता हूं। मुझे नहीं पता कि मेरा अगला शो कब होगा, इसलिए मुझे लगा कि यह अनफेयर होगा। फोटोज, वीडियोज, चैट सेशंस और क्यूएनए सेशंस पोस्ट करना मुझे अच्छा लगता है।

स्टाइल अपग्रेडःतीन सीजनल हेयर कलर ट्रेंड, अलग दिखना चाहते हैं तो फायर रेड कलर अपनाएं, सोबर शेड्स के लिए परफेक्ट है टॉफी टोन्स

लुक स्विच करने के लिए हेयर कलर भी बदला जा सकता है। इस मौसम में नए रंगों के साथ प्रयोग करना चाहते हैं तो इनमें से कोई एक चुन सकते हैं।

1. सन-किस्ड ऑबर्न

अलग दिखना चाहते हैं तो फायर रेड कलर चुन सकते हैं। इससे वाइब्रेंट और फन लुक मिलता है। हालांकि रेड कलर मेंटेन करना आसान नहीं होता है।

2. टॉफी टोन्स

सोबर शेड्स पसंद करते हैं तो टॉफी टोन्स अपना सकते हैं। ब्राउन को बेस बनाकर कैरेमल टोन हाइलाइट्स दे सकते हैं। कैरेमल हाइलाइट्स से बाल ज्यादा घने दिखते हैं।

3. पेस्टल पिंक

ऐसा शेड चाहते हैं जो सोबर और ब्राइट हो तो पेस्टल पिंक चुन सकते हैं। लाइट पिंक, डीप शेड्स या सॉफ्ट रोज़ चुन सकते हैं। यह शेड पूरे बालों में करें या हाइलाइट्स लें या ऑम्बर इफेक्ट दें, यह सब तरह से अच्छा लगेगा।

फैशन विद स्टाइलः मानसून में जल्दी सूखने वाला शिफॉन बना सबकी पसंद, इस फैब्रिक

हर फैब्रिक की अपनी खासियत होती है। अगर बात करें मानसून के पसंदीदा फैब्रिक की तो शिफॉन का नाम सबसे पहले आता है। इससे बने कपड़ों को सूखने में कम समय लगता है। साथ ही ये आपको स्टाइलिश लुक देने में भी मदद करते हैं। इस लिहाज से शिफॉन के एथनिक से लेकर वेस्टर्न वियर फैशन में इन हैं। इसके लेटेस्ट स्टाइल का चयन अवसर के अनुसार करें।

एक से बढ़कर एक कुर्ते

शिफॉन के प्लेन कुर्ते प्रिंटेड बॉटम के साथ भी स्टाइलिश लगते हैं। मौसम को देखते हुए इन कुर्तों के कलर चुने जा सकते हैं। ब्लॉक प्रिंटेड शिफॉन कुर्ते की पेयरिंग कंट्रास्ट बॉटम के साथ अच्छी लगती है। इसमे मौसम में नियॉन कलर कुर्तों को लाइट कलर की सलवार या पैंट के साथ भी पहन सकती हैं।

वेस्टर्न वियर में छाया शिफॉन

शिफॉन के टॉप या क्रॉप टॉप को जींस या स्कर्ट के साथ पहना जा सकता है। इसमें प्लेन से लेकर एसिमेट्रिकल स्टाइल भी ऑन डिमांड हैं। पार्टी वियर लुक के लिए इस पर किया गया बीडेड या सीक्वेंस वर्क भी अच्छा लगता है।

सेलेब्स की पसंद बनी शिफॉन साड़ी

रेग्युलर वियर के लिए प्लेन शिफॉन की साड़ी कैरी करें। लाइट वेट होने की वजह से इसे पहनकर काम करना भी आसान होता है। इसलिए कॉर्पोरेट वियर से लेकर बॉलीवुड दीवाज के बीच इसका क्रेज हमेशा रहता है। इस तरह की साड़ी कंट्रास्ट ब्लाउज के साथ भी अच्छी लगती है। कंगना रानाउत को शिफॉन की फ्लोरल प्रिंट या बॉर्डर साड़ी पहनना अच्छ लगता है। वहीं करीना कपूर अपनी खूबसूरती में चार चांद लगाने के लिए एंब्रायडरी वाली शिफॉन साड़ी पहनती हैं। इस फैब्रिक से बनी यूनिक साड़ी की चाहत रखती हैं तो वाणी कपूर की तरह शिफॉन से बनी रफल साड़ी चुनें। इसके साथ हाथ की कढ़ाई किया हुआ ब्लाउज स्टाइलिश लुक देगा।

कोरोना देश में 24 घंटे में 14402 एक्टिव केस कम हुए

अब 3.82 लाख मरीजों का इलाज चल रहा, यह आंकड़ा साढ़े चार महीने में सबसे कम

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/
आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

देश में कोरोना के केस में सोमवार को बड़ी गिरावट दर्ज की गई। बीते 24 घंटे में 27,421 नए मरीजों की पहचान हुई और 41,457 ठीक हो गए। इस दौरान 376 मरीजों ने इस महामारी से जान गंवाई। इस तरह एक्टिव केस यानी इलाज करा रहे मरीजों की संख्या में 14,402 की कमी आई है। अब 3.82 लाख मरीजों का इलाज चल रहा है। यह आंकड़ा 23 मार्च के बाद सबसे कम है। तब 3.65 लाख एक्टिव केस थे। बीते दिन दर्ज किए गए 27,421 नए मामले 15 मार्च के बाद सबसे कम हैं। तब 24,437 केस एक दिन में दर्ज किए गए थे। उसके बाद देश में लगातार कोरोना मामलों में इजाफा हुआ। दूसरी लहर के दौरान रोजाना 3 लाख से ज्यादा लोगों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी।

वॉट्सऐप पर मिलेगा वैक्सीन सर्टिफिकेट

इस बीच सरकार ने वैक्सीन सर्टिफिकेट हासिल करने की प्रक्रिया को आसान करने के लिए एक कदम उठाया है। अब कोरोना वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट वॉट्सऐप के जरिए चंद सेकेंड में हासिल किया जा सकेगा। सर्टिफिकेट हासिल करने के लिए +91 9013151515 नंबर को मोबाइल में सेव करना होगा। इसके बाद Covid certificate लिखकर इस नंबर पर मैसेज भेजना होगा। जिस नंबर से वैक्सीनेशन के लिए रजिस्ट्रेशन करवाया होगा, उस नंबर पर OTP आएगा। उसे वापस वॉट्सऐप के मैसेज बॉक्स में लिखकर भेजना है। इसके बाद चंद सेकेंड में कोविड सर्टिफिकेट आ जाएगा।

महाराष्ट्र में 15 अगस्त से लोकल ट्रेन में सफर कर सकेंगे आम लोग

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने रविवार को बताया कि 15 अगस्त से लोकल ट्रेन में आम लोग सफर कर सकेंगे हालांकि कोरोना वैक्सीन के दोनों डोज लगवा चुके लोगों को ही यह सुविधा मिलेगी। लोकल ट्रेनों में सफर करने वाले यात्रियों को मोबाइल फोन से पास डाउनलोड की सुविधा भी दी गई है। जिनके पास स्मार्टफोन नहीं है, वे शहर के नगरपालिका वार्ड कार्यालयों के साथ-साथ उपनगरीय रेलवे स्टेशनों से फोटो पास ले सकते हैं। इसके साथ ही, मॉल खोलने पर अगले 8 दिन में फैसला लिया जाएगा।

हिमाचल प्रदेश में 13 दिन में दोगुने हुए कोरोना केस: हिमाचल प्रदेश में करीब दो हफ्ते में कोरोना के एक्टिव मामलों में रिकॉर्ड 102त्न बढ़ोतरी देखी गई है। यहां एक्टिव मामलों की संख्या 850 से बढ़कर 1900 हो गई है। प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कहा है कि वह इस मुद्दे पर कैबिनेट मीटिंग में चर्चा करेंगे। कोरोना की वजह से प्रदेश में अब तक 3,534 लोगों की मौत हो चुकी है और 2.02 लाख लोग रिकवर हो चुके हैं।

मध्यप्रदेश में कोरोना से अनाथ हुए बच्चों का खयाल रखेगी सरकार

राज्य में कोरोना के चलते अनाथ हुए बच्चों की निगरानी का जिम्मा केंद्र सरकार ने उठाया है। अनाथ हुए बच्चों की जानकारी बाल स्वराज पोर्टल पर अपलोड करना जरूरी होगा। अनाथ होने वाले या ऐसे बच्चे, जिन्होंने अपने माता-पिता में से किसी एक को खो दिया है, उन्हें मौजूदा एजुकेशनल सेशन में उसी स्कूल में अपनी पढ़ाई जारी रखने का मौका मिलेगा, जिसमें वे पढ़ रहे थे।

सऊदी सरकार ने भारतीय जायरीनों के उमराह पर हटाई पाबंदी: सऊदी अरब सरकार ने सभी देशों के लोगों पर लगाए गए ट्रैवल बैन को 18 महीने बाद खत्म कर दिया है। इसके बाद 20 लाख वैक्सीनेटेड जायरीनों को हर महीने उमराह के लिए सऊदी जाने की अनुमति मिलेगी। कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए सऊदी सरकार ने भारत और पाकिस्तान समेत 20 देशों के नागरिकों पर 3 फरवरी को ट्रैवल बैन लगाया था। इसके बाद 11 देशों पर बैन हटा दिया गया था, लेकिन भारत, पाकिस्तान समेत 9 देशों पर बैन जारी था। सऊदी सरकार ने अब इसे भी खत्म कर दिया है।

8 राज्यों में लॉकडाउन जैसी पाबंदियां

देश के 8 राज्यों में पूर्ण लॉकडाउन जैसी पाबंदियां हैं। इनमें पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, ओडिशा, तमिलनाडु, मिजोरम, गोवा और पुडुचेरी शामिल हैं। यहां पिछले लॉकडाउन जैसे ही कड़े प्रतिबंध लगाए गए हैं। देश के 23 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में आंशिक लॉकडाउन है। यहां पाबंदियों के साथ छूट भी है। इनमें छत्तीसगढ़, कर्नाटक, केरल, बिहार, दिल्ली, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, हरियाणा, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, मेघालय, नगालैंड, असम, मणिपुर, त्रिपुरा, आंध्र प्रदेश और गुजरात शामिल हैं।

न्यूज ब्रीफ

अखिलेश यादव ने भी की आरक्षण की 50 फीसदी सीमा हटाने की मांग, दिया- पिछड़े पावैं सौ में 60 का नारा

नई दिल्ली। ओबीसी आरक्षण सूची तैयार करने का अधिकार राज्यों को देने वाले बिल पर बहस के दौरान यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने जातिगत जनगणना कराने की मांग की। इसके अलावा उन्होंने कहा आरक्षण की 50 फीसदी सीमा को भी खत्म करने की मांग की। उन्होंने उत्तर प्रदेश से आने वाले बीजेपी नेताओं पर तंज कसते हुए कहा कि आप लोग भी मानते होंगे कि आरक्षण की सीमा को बढ़ाया जाना चाहिए। लेकिन शायद मंत्री पद मिलने के चलते ऐसा न कहें। लेकिन पिछड़ों का विकास एक या दो लोगों को मंत्री पद मिलने से नहीं होता है बल्कि सभी को रोजगार के अवसर मिलने से होता है। अखिलेश यादव ने कहा कि यदि यह सरकार जातिगत आधार पर जनगणना नहीं कराती है तो फिर यूपी में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर हम ऐसा कराएंगे।

मनीष सिसोदिया का भाजपा पर हमला, बोले- दिल्ली को अब तक नहीं मिली केंद्र की चिट्ठी

नई दिल्ली। देश में कोरोना की दूसरी लहर के दौरान कथित तौर पर ऑक्सीजन की कमी के कारण हुई मौतों के मामलों को लेकर दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया मंगलवार को केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। सिसोदिया ने कहा कि केंद्र ने दिल्ली सरकार से यह कभी नहीं पूछा कि दूसरी कोविड की लहर के दौरान ऑक्सीजन की कमी के कारण राजधानी में मौतें हुई या नहीं। आप के नेता ने इसे भाजपा का प्रोपेगैंडा करार दिया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार झूठ बोल रही है कि वे ऑक्सीजन की कमी के कारण होने वाली मौतों का डेटा एकत्र कर रहे हैं। सिसोदिया ने कहा कि आप राज्यों से पूछोगे नहीं, राज्यों को जांच नहीं करने दोगे और आप कह दोगे कि राज्य बता नहीं रहे? उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार को अब तक केंद्र से ऐसा कोई पत्र नहीं मिला है। डेटा साझा नहीं करने के लिए केंद्र केवल राज्यों को दोषी ठहरा रहा है। हम उनसे कोई कम्यूनिकेशन न होने के बावजूद सभी डेटा केंद्र को भेज देंगे।

अफगानिस्तान में तालिबान का खौफ: भारत सरकार ने मजार-ए-शरीफ से अपने राजनयिकों को वापस बुलाया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/
आईटीडीसी न्यूज काबुल

काबुल। तालिबान के बढ़ती ताकत से अफगानिस्तान में हालात बदतर होते जा रहे हैं। यहां के चौथे सबसे बड़े शहर मजार ए शरीफ के ज्यादातर हिस्सों पर तालिबान के कब्जे के बाद भारत सरकार ने अपने नागरिकों से शहर छोड़ने को कहा है। मजार ए शरीफ में मौजूद भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया पर कहा कि मंगलवार शाम को मजार ए शरीफ से एक स्पेशल फ्लाइट दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाली है। जो भी भारतीय नागरिक शहर में है, वे भारत लौटने के लिए इस फ्लाइट में सवार हो सकते हैं। इसके लिए उन्हें वॉट्सऐप पर अपने पासपोर्ट की डीटेल भेजनी होगी।

कंधार से 11 जुलाई को बुलाए थे डिप्लोमेट्स: भारत सरकार मजार ए शरीफ के दूतावास में काम करने वाले ज्यादातर कर्मचारियों को भी वापस बुला रही है। शाम को आने वाली इसी फ्लाइट से उन्हें लाया जाएगा। एक महीने में ऐसा दूसरी बार हो रहा है, जब अफगानी दूतावास से भारतीय डिप्लोमेट्स को बुलाना पड़ा है। इससे पहले 11 जुलाई को कंधार दूतावास से डिप्लोमेट्स को बुला लिया गया था। सरकार ने उस समय कहा था कि दूतावास बंद नहीं किया जा रहा है, लेकिन स्टाफ को लिमिटेड कर दिया गया है।

उज्बेकिस्तान से मिलती हैं शहर की सीमाएं: मजार ए शरीफ अफगानिस्तान का बेहद महत्वपूर्ण शहर है। यहां की आबादी 5 लाख के करीब है। यह बल्ख प्रोविंस की राजधानी है। इस शहर की सीमाएं कुंदुज और काबुल के अलावा उज्बेकिस्तान के तरमेज शहर से मिलती हैं।

काबुल भी सुरक्षित नहीं, तालिबान के हमले जारी: अफगानिस्तान की राजधानी काबुल देश के दूसरे हिस्सों के मुकाबले सुरक्षित है, लेकिन पिछले बुधवार को काबुल में तालिबान के आत्मघाती लड़ाकों ने एक बेहद दुस्साहसिक हमले में रक्षा मंत्री के घर को निशाना बनाया था। इस हमले में 8 नागरिक मारे गए और दर्जनों घायल हुए। यह बीते एक साल में काबुल पर तालिबान का सबसे बड़ा हमला था। इस हमले के बाद तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने भास्कर को भेजे एक लिखित बयान में कहा, इस्लामी अमीरात की शहीद बटालियन का ये हमला काबुल सरकार के प्रमुख लोगों के खिलाफ तालिबान के हमलों की शुरुआत है। हम आगे भी ऐसे हमले करेंगे। इसके अगले ही दिन यानी शुक्रवार को तालिबान ने अफगानिस्तान सरकार के मीडिया प्रमुख दावा खान मेनापाल की काबुल में हत्या कर दी थी।

केंद्र सरकार पर साधा निशाना

कश्मीर में राहुल गांधी बोले- मेरे अंदर भी है कश्मीरियत

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/
आईटीडीसी न्यूज काबुल

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के जम्मू-कश्मीर यात्रा का आज दूसरा दिन है। पांच अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जा समाप्त करने और इसे दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के बाद से यह उनकी पहली यात्रा है। यहां उन्होंने पूर्ण राज्य का दर्जा देने के साथ-साथ चुनाव कराने की मांग की है। इसके साथ ही उन्होंने जम्मू कश्मीर के निवासियों के लिए भूमि और रोजगार के अधिकारों की वकालत की। उन्होंने विपक्षी नेताओं को नजरबंद करने के लिए सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि जब भी हम जम्मू-कश्मीर या पेगासस के मुद्दे को उठाना चाहते हैं तो उनकी आवाज को दबाया जाता है। उन्होंने लोगों को जम्मू-कश्मीर पर सीधे हमले और देश के बाकी हिस्सों पर अप्रत्यक्ष हमले की चेतावनी दी। राहुल गांधी ने कहा, भारत में हर संस्थान पर हमले हो रहे हैं। न्यायपालिका पर हमले हो रहे हैं। मीडिया सच्चाई नहीं दिखा रहा है। उन्हें दबाया जा रहा है। धमकी दी जा रही है। वे डरे हुए हैं। अगर वे तथ्यों की रिपोर्ट करते हैं तो उन्हें नौकरी खोने का डर है। राहुल गांधी ने कहा कि उनकी यात्रा का आज दूसरा और अंतिम दिन है। उनके लिए यह एक तरह की घर वापसी थी। राहुल गांधी ने आगे कहा, मैं जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ सम्मान और प्यार का रिश्ता चाहता हूं, जिन्होंने दर्द और पीड़ा का सामना किया है। दिल्ली से पहले मेरा परिवार इलाहाबाद में रह रहा था। इससे पहले वे कश्मीर में रह रहे थे। कांग्रेस सांसद ने आगे कहा, मैं आपको समझता हूं। मेरे परिवार ने झेलम का पानी पीया है। आपके रीति-रिवाज और आपकी सोच... जिसे हम कश्मीरियत कहते हैं... मुझमें भी है। उन्होंने भाजपा और आरएसएस पर भय और घृणा फैलाने का आरोप लगाया। श्रीनगर में जम्मू-कश्मीर पार्टी के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, आप (कांग्रेस कार्यकर्ताओं और जम्मू-कश्मीर के लोगों) को मेरा संदेश यह है कि मैं आपके लिए सम्मान और प्यार लाया हूं। यह नया कार्यालय एक नई शुरुआत है। मैंने पहले आने की कोशिश की, लेकिन हवाई अड्डे पर ही रोक दिया गया था। आज आया हूं, जल्द ही वापस आऊंगा। इससे पहले राहुल गांधी ने श्रीनगर में प्रसिद्ध हजरतबल दरगाह का भी दौरा किया।

मुस्लिम विरोधी नारे लगाने पर कार्रवाई: पूर्व भाजपा प्रवक्ता समेत 6 गिरफ्तार

दिल्ली के जंतर-मंतर पर रैली में विवादित नारे लगाने का आरोप

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/
आईटीडीसी न्यूज काबुल

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के वकील और भाजपा के पूर्व प्रवक्ता अश्विनी उपाध्याय और पांच अन्य लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर में लिया है। इन पर दिल्ली के जंतर-मंतर पर रविवार को हुए एक विरोध प्रदर्शन में मुस्लिम विरोधी नारे लगाने का आरोप है। उपाध्याय के अलावा विनोद शर्मा, दीपक सिंह, दीपक, विनीत क्रांति और प्रीत सिंह को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि इन सब के खिलाफ इंडियन पीनल कोड के सेक्शन 153 और 188 के तहत केस दर्ज किया गया है। मंगलवार सुबह तक हुई पूछताछ दिल्ली पुलिस ने उपाध्याय समेत सभी आरोपियों से मंगलवार सुबह तक पूछताछ की। पुलिस ने उपाध्याय को सोमवार रात कनॉट प्लेस पुलिस स्टेशन में आने का समन भेजा था। कुछ अन्य संदिग्धों को हिरासत में लेने के लिए शहर में छापेमारी की जा रही है।

प्रदर्शन का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ: सोमवार को सोशल मीडिया पर इस विरोध प्रदर्शन का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने एक्शन लिया। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि

दिल्ली के जंतर-मंतर पर जमा भीड़ राम-राम और हिन्दुस्तान में रहना होगा, जय श्री राम कहना होगा के नारे लगा रही है।

बिना पुलिस की अनुमति के हुई थी रैली

पुलिस ने बताया कि कोरोना के चलते उन्होंने इस रैली की अनुमति नहीं दी थी, फिर भी भीड़ वहां जमा हुई। इस दौरान कोई पुलिसवाला वहां मौजूद नहीं था। भड़काऊ भाषणों के लिए के लिए चर्चित पंडित नरसिंहानंद सरस्वती और टीवी अभिनेता और भाजपा नेता गजेंद्र चौहान भी इस प्रदर्शन का हिस्सा थे।

अश्विनी उपाध्याय ने आरोपों से इनकार किया: एक बयान में अश्विनी उपाध्याय ने कहा, रैली सेव इंडिया फाउंडेशन ने की थी। इस संस्था से मेरा कोई संबंध नहीं है। मैं वहां पर आरवीएस मणि, फिरोज बख्त अहमद और गजेंद्र चौहान की तरह मेहमान के तौर पर गया था। हम वहां 11 बजे पहुंचे और 12 बजे निकल आए। नारे लगाने वालों से मैं नहीं मिला। मैं सुबह आपसे मिलकर अपना लिखित बयान देने को तैयार हूं। इससे पहले उन्होंने मीडिया से कहा था कि वे इन वीडियो के बारे में नहीं जानते हैं। यह सब जब हुआ तो न तो मैं वहां था, न मुझे इसकी जानकारी थी और न मैंने इन लोगों को बुलाया था। यह सब मेरे जाने के बाद हुआ होगा। वीडियो में नजर आने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। सिर्फ 5-6 लोगों ने ये नारे लगाए थे, वो भी जब तब रेली खत्म हो गई थी। हालांकि, ऐसे नारे नहीं लगने चाहिए थे।

पुलिस ने बताया कि इन सब के खिलाफ इंडियन पीनल कोड के सेक्शन 153 और 188 के तहत केस दर्ज किया गया है। मंगलवार सुबह तक हुई पूछताछ दिल्ली पुलिस ने उपाध्याय समेत सभी आरोपियों से मंगलवार सुबह तक पूछताछ की

गांधी परिवार के बिना सिब्बल की दावत: कपिल सिब्बल ने विपक्षी नेताओं को डिनर पर बुलाया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/
आईटीडीसी न्यूज काबुल

कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल ने सोमवार को विपक्षी नेताओं को अपने जन्मदिन की दावत दी। इसमें वैसे तो सरकार को घेरने और 2024 के चुनाव में BJP के खिलाफ एकजुट होने का मुद्दा छाया रहा, लेकिन खास बात ये रही कि इसमें गांधी परिवार से कोई नहीं था। ये दावत ऐसे समय दी गई है जब राहुल गांधी श्रीनगर के दौरे पर हैं और प्रियंका विदेश में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस दावत में एक बार फिर कांग्रेस में बदलाव का मुद्दा उठा। रिपोर्ट्स के मुताबिक कुछ नेताओं ने कहा है कि कांग्रेस का कायाकल्प तभी संभव है जब गांधी परिवार लीडरशिप छोड़ दे। अकाली दल के नरेश गुजराल ने तो सीधा हमला बोलते हुए कहा कि गांधी परिवार के चंगुल से बाहर निकले बिना कांग्रेस का मजबूत होना मुश्किल है। ये दावत इसलिए भी चर्चा में है, क्योंकि सिब्बल समेत कांग्रेस के 23 सीनियर नेताओं ने पिछले साल सोनिया गांधी को चिट्ठी लिखकर पार्टी में बड़े बदलाव करने की जरूरत बताई थी। सिब्बल की दावत में पी चिदंबरम, शशि थरूर और आनंद शर्मा भी शामिल थे। ये तीनों नेता भी कांग्रेस के भविष्य को लेकर सवाल उठा चुके हैं।

मुंबई में 15 साल की लड़की ने मां को मारा: मां पढ़ाई के लिए टोकती थी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/
आईटीडीसी न्यूज काबुल

नवी मुंबई के ऐरोली इलाके से एक बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां बार-बार पढ़ने के लिए कहने से नाराज एक 15 वर्षीय लड़की ने अपनी मां की कराटे की बेल्ट से गला घोंटकर हत्या कर दी। मां बेटी को डॉक्टर बनाने का सपना देख रही थी और इसलिए वे बार-बार उसे एंट्रेंस एग्जाम के लिए पढ़ने को बोलती थी। जानकारी के मुताबिक, यह वारदात 30 जुलाई की है और रबाले पुलिस ने नाबालिग बेटी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर

उसे हिरासत में ले लिया है। बेटी ने भी अपने गुनाह को कबूल कर लिया है। मामले की जांच कर रहे एपीआई अविनाश महाजन ने बताया कि 30 जुलाई को शैलेष पवार नाम के व्यक्ति ने सूचना दी कि ऐरोली में रहने वाली उनकी बहन शिल्पा जाधव ने अपने फ्लैट का दरवाजा बंद कर लिया है।

गले में लिपटा हुआ मिला था कराटे बेल्ट: इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने पडोसियों की सहायता से दरवाजा खोला तो पाया कि महिला की 15 वर्षीय भांजी और 6 वर्षीय भांजा जमीन पर बैठे हैं, लेकिन बेडरूम का दरवाजा बंद है। इसे तोड़ने के बाद शिल्पा जाधव नाम की महिला जमीन पर बेसुध पड़ी मिली और उसके गले से कराटे ड्रेस का बेल्ट लिपटा हुआ था। इसके बाद पुलिस ने तुरंत उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

हत्या के 9 दिन बाद पकड़ी गई बेटी

इसके बाद पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू की और तकरीबन 9 दिन बाद रविवार शाम को कड़ाई से पूछताछ के दौरान शिल्पा की 15 वर्षीय बेटी ने अपनी मां की हत्या किए जाने की बात कुबूल की। उसने पुलिस को बताया कि मां उस पर पढ़ने के लिए दबाव बना रही थी। इसके बाद रविवार रात को रबाले पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर बेटी को हिरासत में ले लिया।

लखनऊ की महिला ने खोले शिल्पा के राज:एक्ट्रेस की कंपनी के नाम पर वेलनेस सेंटर में 1.36 करोड़ रुपए लगाए; बाद में शिल्पा के करीबियों ने कब्जा कर लिया

लखनऊ। लखनऊ की बिजनेसमैन ज्योत्सना चौहान ने एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी और उनकी मां सुनंदा के खिलाफ धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। ज्योत्सना ने दैनिक भास्कर से बातचीत में अपने साथ हुई ठगी की पूरी जानकारी देने का दावा किया। उन्होंने बताया कि कैसे शिल्पा शेट्टी और उनकी मां की कंपनी ने फ्रॉड किया। ज्योत्सना ने बताया कि शिल्पा की कंपनी में 1.36 करोड़ रुपए का निवेश करवाकर लखनऊ में वेलनेस सेंटर खुलवाया गया। इसके बाद शिल्पा के करीबियों ने सेंटर पर खुद कब्जा कर लिया। ज्योत्सना ने बताया कि निवेश करने से पहले उन्हें शिल्पा शेट्टी का वीडियो दिखाकर कहा गया था कि हर महीने 5 लाख रुपए की कमाई होगी।

2019 में शिल्पा के करीबियों ने दिया झांसा: ज्योत्सना ने बताया कि जनवरी 2019 में उनकी मुलाकात शिल्पा शेट्टी के करीबी और उनकी अयोसिस कंपनी के निदेशक किरण बाबा से हुई। किरण ने उन्हें अयोसिस के कई सेंटर्स के प्रजेंटेशन दिखाए। साथ ही बताया कि कंपनी की फ्रेंचाइजी लेने वाले हर महीने 5 लाख रुपए तक कमा रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

जोकोविच सिनसिनाटी ओपन से हटे, सीधे यूएस ओपन में खेलेंगे

सिनसिनाटी। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट (वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन) से हट गये हैं जिसका मतलब है कि अब वह यूएस ओपन के दौरान ही कोर्ट पर दिखेंगे जहां वह करियर ग्रैंडस्लैम पूरा करने की कोशिश करेंगे। जोकोविच ने सोशल मीडिया पर लिखा है कि उन्हें आस्ट्रेलिया से लेकर तोक्यो तक के व्यस्त कार्यक्रम के बाद तरोताजा होने के लिए थोड़ा और समय चाहिए। इस साल ग्रैंडस्लैम में जोकोविच का रिकार्ड 21-0 है। उन्होंने फरवरी में हार्ड कोर्ट पर आस्ट्रेलियाई ओपन, जून में क्ले कोर्ट पर फ्रेंच ओपन और जुलाई में ग्रास कोर्ट पर विंबलडन का खिताब जीता था। रॉड लीवर के 1969 में एक साल में चारों ग्रैंडस्लैम जीतने के बाद कोई भी पुरुष खिलाड़ी एक वर्ष में पहले तीन ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट नहीं जीत पाया था और जोकोविच के पास तो अब लीवर के रिकार्ड की बराबरी करने का मौका है। विंबलडन के बाद जोकोविच ने एक सत्र में चारों ग्रैंडस्लैम और ओलंपिक स्वर्ण पदक हासिल करने के लक्ष्य के साथ तोक्यो ओलंपिक में हिस्सा लिया था लेकिन वह सेमीफाइनल में जर्मनी के अलेक्सांद्र जेवरेव और कांस्य पदक के मुकाबले में स्पेन के पाब्लो कारेनो बस्टा से हार गये थे और इस तरह से पदक जीतने में असफल रहे थे।

भारतीय क्रिकेटर घर चलाने के लिए कर रहा मजदूरी, विश्व विजेता टीम का रहा है हिस्सा

नई दिल्ली। कोविड-19 महामारी और लॉकडाउन ने देश भर में कई लोगों को अपनी आजीविका खोने के लिए मजबूर कर दिया है। अब, भले ही देश वापस सामान्य स्थिति में आ रहा है लेकिन अभी भी ऐसे लोग हैं जो सामान्य स्थिति में आने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उनमें से एक गुजरात के दृष्टिबाधित क्रिकेटर नरेश तुमडा हैं। वह 2018 में नेत्रहीन क्रिकेट विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। इस जीत के केवल तीन साल बाद तुमडा अपनी आजीविका कमाने के लिए गुजरात के नवसारी में एक मजदूर के रूप में काम कर रहे हैं। गुजरात टीम का हिस्सा नरेश तुमडा ने भारत को 2018 नेत्रहीन क्रिकेट विश्व कप जीतने में मदद की, अब आजीविका कमाने के लिए नवसारी में एक मजदूर के रूप में काम कर रहा है। उन्होंने कहा, मैं एक दिन में 250 रुपए कमाता हूं। तीन बार सीएम से अनुरोध किया लेकिन जवाब नहीं मिला। मैं सरकार से आग्रह करता हूं कि मुझे नौकरी दें ताकि मैं अपने परिवार की देखभाल कर सकूं। तुमडा 2018 विश्व कप फाइनल में शारजाह में पाकिस्तान को हराने वाली टीम का हिस्सा थे।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए कीवी टीम घोषित

हांगकांग के लिए 2014 वर्ल्ड कप में खेल चुके मार्क चैपमैन टीम में, रॉस टेलर और कोलिन डि ग्रैंडहोम बाहर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वेलिंगटन

न्यूजीलैंड ने इस साल अक्टूबर-नवंबर में UAE और ओमान में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के लिए 15 सदस्यों वाली टीम की घोषणा कर दी है। 2014 टी-20 वर्ल्ड कप में हांगकांग के लिए खेल चुके बल्लेबाज मार्क चैपमैन में टीम में जगह दी गई है। वहीं, रॉस टेलर, कॉलिन डि ग्रैंडहोम और फिन एलन जैसे खिलाड़ियों को शामिल नहीं किया गया है।

टीम में तीन स्पिनर शामिल:- UAE में स्पिनर्स को काफी मदद मिलने की उम्मीद है। इसे देखते हुए न्यूजीलैंड ने तीन स्पिनर्स को टीम में शामिल किया है। लेफ्ट आर्म स्पिन ऑलराउंडर मिचेल सैंटनर और लेग स्पिनर ईश सोढ़ी के साथ-साथ एक अन्य लेग स्पिनर टॉड एस्टल को भी मौका दिया

गया है। एस्टल ने अब तक सिर्फ 4 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं।

एडम मिल्न होंगे स्टैंडबाय:- फास्ट बॉलर एडम मिल्न को स्टैंडबाय के तौर पर शामिल किया गया है। अगर कोई खिलाड़ी चोटिल हो जाता है तो उन्हें मुख्य टीम में जगह मिलेगा। फास्ट बॉलिंग डिपार्टमेंट की जिम्मेदारी टिम साउदी, लॉकी फर्ग्युसन, ट्रेंट बोल्ट, काइल जेमिसन और जिम्मी नीशम के कंधों पर होगी।

भारत, पाकिस्तान के साथ ग्रुप-2 में है न्यूजीलैंड

न्यूजीलैंड की टीम अगले टी-20 वर्ल्ड कप में भारत और पाकिस्तान जैसी टीमों के साथ ग्रुप-2 में है। इस ग्रुप की अन्य टीम अफगानिस्तान की है। क्वालिफाइंग राउंड के बाद दो अन्य टीमें भी ग्रुप से जुड़ेंगी।

न्यूजीलैंड की टीम

केन विलियम्सन (कप्तान), टॉड एस्टल, ट्रेंट बोल्ट, मार्क चैपमैन, डेवन कॉनवे, लॉकी फर्ग्युसन, मार्टिन गुप्टिल, काइल जेमिसन, डेरिल मिचेल, जिमी नीशम, ग्लेन फिलिप्स, मिचेल सैंटनर, टिम साइफर्ट, ईष सोढी और टिम साउदी।

यूनाइटेड किंगडम के हैरियट डार्ट, मॉन्ट्रियल में नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट में कनाडा के लेयला फर्नांडीज के खिलाफ पहला सेट जीतने के बाद जश्न मनाते हुए।

टोक्यो ओलिंपिक में टूटे 22 वर्ल्ड रिकॉर्ड

7 वर्ल्ड रिकॉर्ड साइक्लिंग में टूटे, एम्मा मैक्योन को सबसे ज्यादा 7 मेडल

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज टोक्यो

कोरोनाकाल में हुए टोक्यो ओलिंपिक में दुनियाभर के करीब 11 हजार एथलीटों ने अपना हुनर दिखाया। कई खिलाड़ी ऐसे रहे, जिन्होंने मेडल जीतकर अपने देश का मान बढ़ाया, जबकि कुछ एथलीट्स के हाथ निराशा लगी। 17 दिनों तक फैंस को एक से बढ़कर एक मुकाबले देखने को मिले, साथ ही कई नए रिकॉर्ड्स को बनते और टूटते भी देखा गया। टोक्यो 2020 में अलग-अलग खेलों के कुल 22 वर्ल्ड रिकॉर्ड टूटे। अमेरिका पिछले सात ओलिंपिक खेलों में छठी बार टॉप पर रहा। ऑस्ट्रेलिया की महिला तैराक एम्मा मैक्योन सबसे ज्यादा मेडल जीतने वाली एथलीट रहीं। वहीं, सबसे ज्यादा पांच गोल्ड अमेरिकी तैराक कैलब ड्रेसल ने अपने नाम किए।

साइक्लिंग में टूटे सबसे ज्यादा वर्ल्ड रिकॉर्ड:- टोक्यो ओलिंपिक में इस बार कुल 22 वर्ल्ड रिकॉर्ड टूटे। 7 रिकॉर्ड ट्रैक साइक्लिंग में, 6 स्विमिंग में, 4 वेटलिफ्टिंग में, 3 एथलेटिक्स, 1 शूटिंग और 1 स्पोर्ट

क्लाइम्बिंग में टूटे। रियो ओलिंपिक की तुलना में इस बार 5 वर्ल्ड रिकॉर्ड कम टूटे। रियो में 27 वर्ल्ड रिकॉर्ड टूटे थे।

एम्मा मैक्योन को सबसे ज्यादा 7 मेडल:- टोक्यो ओलिंपिक में सबसे ज्यादा पदक जीतने का कारनामा ऑस्ट्रेलिया की महिला तैराक एम्मा मैक्योन ने करके दिखाया। उन्होंने कुल 7 पदक अपने नाम किए, जिसमें 4 गोल्ड और 3 कांस्य शामिल है। 7 पदकों में से चार टीम स्पर्धा और तीन व्यक्तिगत पदक शामिल रहे।

1996 से अमेरिका छठी बार नंबर-1:- 1996 के बाद से यह छठा ऐसा मौका रहा जब अमेरिका पदक तालिका में नंबर-1 रहा हो। 1996, 2000 और 2004 में अमेरिका पहले स्थान पर रहा था, जबकि 2008 के ओलिंपिक खेलों में अमेरिका ने दूसरे स्थान पर फिनिश किया था। उसके बाद 2012 और 2016 में अमेरिका ने फिर से पहले पायदान पर वापसी की और 2020 में भी इस सिलसिले को बरकरार रखा। शुरुआती 6 टॉप टीमों को छोड़ दिया जाए तो (40) पदक जीतने वाली इटली का यह सबसे बढ़िया प्रदर्शन रहा। इटली के साथ-साथ नीदरलैंड (36 मेडल), न्यूजीलैंड (20 मेडल) और ब्राजील (21 मेडल) के लिए भी यह बढ़िया प्रदर्शन रहा।

कार्स्टन वॉरहोम ने रचा इतिहास

नॉर्वे के कार्स्टन वॉरहोम ने 400 मीटर हर्डल्स में विश्व रिकॉर्ड बनाया। वॉरहोम ने सिर्फ 45.95 सेकेंड में 400 मीटर हर्डल्स रेस पूरी की और नया विश्व रिकॉर्ड कायम किया। इतना ही नहीं वॉरहोम पहले ऐसे धावक बने जिन्होंने 400 मीटर हर्डल्स रेस को 46 सेकेंड से कम के समय में पूरा किया हो।

जापान का तीसरा बेस्ट परफॉर्मेंस:- जापान कुल 58 मेडल के साथ तीसरे पायदान पर रहा। जो जापान का संयुक्त रूप से तीसरा सबसे बढ़िया प्रदर्शन भी है। इससे पहले टोक्यो 1964 और मैक्सिको 1968 में भी जापान ने कुल 58 पदक जीते थे। 2012 के रियो ओलिंपिक में ग्रेट ब्रिटेन में दूसरे स्थान पर रहा था और 2012 के लंदन ओलिंपिक में तीसरे पायदान पर। इस बार चौथे स्थान पर रहा, जो रियो के बाद अपने घर से बाहर खेलते हुए ओलिंपिक में ब्रिटेन का दूसरा बेस्ट प्रदर्शन भी रहा।

ओलिंपिक में शामिल होगा क्रिकेट: आईसीसी ने कहा

2028 लॉस एंजिल्स ओलिंपिक में क्रिकेट को एंट्री दिलाने की कोशिश

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज लंदन

ओलिंपिक गेम्स में क्रिकेट की एंट्री कराने की मुहिम तेज हो गई है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने कहा है कि उसकी कोशिश है कि 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलिंपिक में क्रिकेट को जगह मिले। इसके लिए आईसीसी ने एक वर्किंग ग्रुप भी बनाया है।

अमेरिका में 3 करोड़ क्रिकेट प्रेमी

आईसीसी ने कहा कि अमेरिका में 3 करोड़ से ज्यादा क्रिकेट प्रेमी रहते हैं। इसलिए लॉस एंजिल्स ओलिंपिक में क्रिकेट को शामिल करना सही फैसला होगा। अमेरिका में रहने वाले दक्षिण एशियाई लोगों के बीच क्रिकेट काफी लोकप्रिय है। इसके अलावा इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों से जाकर अमेरिका में बसे लोग भी क्रिकेट को फॉलो करते हैं।

क्रिकेट और ओलिंपिक दोनों को होगा फायदा:- आईसीसी के चेयरमैन ग्रेग बार्कले ने कहा कि क्रिकेट अगर ओलिंपिक में शामिल होता है तो इससे क्रिकेट के खेल और ओलिंपिक दोनों को फायदा होगा। क्रिकेट खिलाड़ियों के सामने जीत हासिल करने के लिए नया लक्ष्य होगा वहीं, ओलिंपिक को क्रिकेट प्रेमियों के रूप में नए फैंस मिलेंगे।

1900 ओलिंपिक में शामिल हुआ था क्रिकेट

क्रिकेट अब तक सिर्फ एक बार ओलिंपिक गेम्स का हिस्सा रहा है। साल 1900 में फ्रांस में हुए दूसरे मॉडर्न ओलिंपिक में क्रिकेट को शामिल किया गया था। तब ब्रिटेन और फ्रांस के रूप में सिर्फ दो टीमों ने हिस्सा लिया था। ब्रिटेन ने गोल्ड और फ्रांस ने सिल्वर जीता था।

2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में भी क्रिकेट

बार्कले ने कहा कि 2022 में बर्मिंघम में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स में भी क्रिकेट को शामिल किया जा रहा है। इससे अंदाजा हो जाएगा कि क्रिकेट के शामिल होने से ओलिंपिक को क्या फायदा मिल सकता है।

हाल ही में संपन्न टोक्यो ओलंपिक 2020 की भाला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाले नीरज चोपड़ा नई दिल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान बोलते हैं। पूर्व एथलीट अंजू बॉबी जॉर्ज (आर) पर लग रही है।

नीरज चोपड़ा के सम्मान में फैसला

देश में हर साल 7 अगस्त को जेवलिन थ्रो डे मनाया जाएगा, युवाओं को खेल से जोड़ने की कोशिश

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ की योजना समिति ने फैसला किया है कि देश में हर साल 7 अगस्त को जेवलिन थ्रो डे मनाया जाएगा। ज्यादा से ज्यादा युवाओं को इस खेल से जोड़ने के लिए ऐसा किया जाएगा। पिछले 7 अगस्त को ही नीरज चोपड़ा ने टोक्यो ओलिंपिक में गोल्ड मेडल जीता था। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के योजना आयोग के अध्यक्ष ललित भनोट ने यह जानकारी दी। वे टोक्यो ओलिंपिक में भाग लेने वाले भारतीय ट्रैक एंड फील्ड एथलीट्स के सम्मान समारोह के दौरान बोल रहे थे।

इंडियन आर्मी ने दिया साथ

नीरज चोपड़ा ने इस मौके पर कहा कि इंडियन आर्मी और एथलेटिक्स फेडरेशन ने उनका बहुत साथ दिया। कोरोना की चुनौती के दौरान मेडिकल स्टाफ ने बहुत ज्यादा मेहनत की। डाइट से लेकर हर पहलू का ख्याल रखा गया। उसी का नतीजा है कि परफॉर्मेंस अच्छा हुआ है। नीरज ने कहा-प्रधानमंत्री ने गेम होने के बाद हमसे बात की। यह बहुत अच्छा लगा। खुशी हुई कि देश के प्रधानमंत्री खिलाड़ियों से बात की। अच्छे परफॉर्मेंस के पीछे जो बड़ा कारण यह था कि हर खिलाड़ी इस बार सिर्फ हिस्सा लेने नहीं आया था। सबके अंदर मेडल जीतने की बात थी। इसलिए सबने पूरा जोर लगाया। हम फिजिकली और मेंटली बहुत स्ट्रॉन्ग थे। मुझे लगता है कि आने वाले ओलिंपिक में हमरा प्रदर्शन और अच्छा रहेगा। नीरज ने अपनी कामयाबी में सभी कोच की भूमिका को याद किया। उन्होंने कहा कि अभी वे डॉ. क्लाउड बार्टोनिट्ज के मार्गदर्शन में ट्रेनिंग कर रहे थे। ओलिंपिक में इसका उन्हें बहुत फायदा मिला। उनसे पहले जो कोच उनके साथ रहे नीरज ने उनका भी शुक्रिया कहा।

90 मीटर का सपना पूरा करूंगा

नीरज ने कहा कि वे जल्दी ही 90 मीटर थ्रो का रिकॉर्ड अपने नाम करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि ओलिंपिक में यह नहीं हो पाया। हालांकि, इसे ज्यादा जरूरी था कि हमें एथलेटिक्स में मेडल मिले और ऐसा ही हुआ। खास बात यह रही कि हमें यह मेडल गोल्ड के रूप में मिला। इस बात की मुझे बहुत खुशी है। नीरज टोक्यो ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतने वाले भारत के पहले और इकलौते खिलाड़ी बने थे। वे किसी भी ओलिंपिक के ट्रैक एंड फील्ड इवेंट में गोल्ड जीतने वाले पहले भारतीय भी हैं।

न्यूज ब्रीफ

एक से सात अगस्त के दौरान निर्यात 50 प्रतिशत बढ़कर 7.41 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली। देश का निर्यात एक से सात अगस्त के दौरान 50.45 प्रतिशत बढ़कर 7.41 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वाणिज्य मंत्रालय के अस्थायी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। इंजीनियरिंग सामान, रत्न एवं आभूषणों का निर्यात अच्छा रहने से कुल निर्यात बढ़ा है। आंकड़ों के अनुसार एक से सात अगस्त के दौरान आयात भी 70 प्रतिशत बढ़कर 10.45 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इस तरह व्यापार घाटा तीन अरब डॉलर रहा। समीक्षाधीन अवधि में इंजीनियरिंग वस्तुओं का निर्यात 63 प्रतिशत बढ़कर 83.4 करोड़ डॉलर रहा। इसी तरह रत्न एवं आभूषणों का निर्यात 121 प्रतिशत बढ़कर 41.8 करोड़ डॉलर पर पहुंच गया। पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात 14.5 प्रतिशत बढ़कर 52.2 करोड़ डॉलर रहा। हालांकि, इस दौरान लौह अयस्त, खली तथा तिलहन के निर्यात में गिरावट आई। एक से सात अगस्त के दौरान देश का कच्चे तेल का आयात 141 प्रतिशत बढ़कर 1.80 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इसी तरह इलेक्ट्रॉनिक्स सामान का आयात 31 प्रतिशत बढ़कर 30.8 करोड़ डॉलर रहा। समीक्षाधीन अवधि में सोने का आयात 12.48 प्रतिशत घटकर 10 करोड़ डॉलर रह गया। इस दौरान अमेरिका को निर्यात 48.4 प्रतिशत बढ़कर 46.27 करोड़ डॉलर पर पहुंच गया। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को निर्यात 70 प्रतिशत बढ़कर 20.97 करोड़ डॉलर और सऊदी अरब को 180 प्रतिशत बढ़कर 16.4 करोड़ डॉलर पर पहुंच गया।

पेप्सिको ने सीएससी के साथ भागीदारी का तीन और राज्यों में विस्तार किया

नई दिल्ली। पेप्सिको और सीएससी की ओर से जारी साझा बयान के अनुसार इससे कंपनी के स्नैक्स ब्रांड...लेज, कुरकुरे तथा अंकल चिप्स की ग्रामीण भारत में अंतिम छोर तक आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी और उद्यमिता को प्रोत्साहन मिलेगा। इसके अलावा पेप्सिको अपने स्नैकिंग उत्पादों की उपलब्धता उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में भी बढ़ाएगी। कंपनी ने कहा कि इस राज्य में उसने परियोजना को पायलट आधार पर सफलतापूर्वक चलाया है और अधिक जिलों में अपने उत्पादों को सूचीबद्ध किया है। बयान में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश में सफल पायलट परियोजना के बाद पेप्सिको इंडिया के स्नैक्स ब्रांड...आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश और झारखंड में सीएससी ग्रामीण ईस्टोर पर सूचीबद्ध किए जाएंगे। इनकी उत्तर प्रदेश के और जिलों में सूचीबद्धता जारी रहेगी। बयान में कहा गया है कि ये उत्पाद 20,000 ग्राम स्तरीय उद्यमियों (वीएलई) तथा 489 वितरक ग्राम स्तरीय उद्यमियों के जरिये उपलब्ध कराए जाएंगे।

जुलाई में म्यूचुअल फंड के नए रिकॉर्ड

इक्विटी फंड में निवेश साढ़े तीन गुना बढ़कर 22,583 करोड़ रुपए पर पहुंचा

रिकॉर्ड 23 लाख से ज्यादा SIP खाते खुले

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

कोरोना महामारी की दूसरी लहर में कमी आने का सकारात्मक असर म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री पर देखा गया। यहां जुलाई में कई रिकॉर्ड बने। म्यूचुअल फंड्स में निवेश अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया और एसेट अंडर मैनेजमेंट पहली बार 35 लाख करोड़ से ऊपर निकल गया। इस दौरान इक्विटी फंड में निवेश साढ़े तीन गुना से ज्यादा बढ़कर रिकॉर्ड स्तर पर रहा। इसके अलावा सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान के जरिए निवेश भी रिकॉर्ड पैमाने पर हुआ। इसे अर्थव्यवस्था पटरी पर आने को लेकर जबरदस्त उम्मीद का संकेत माना जा रहा है।

इक्विटी और इक्विटी-लिंक्ड स्कीम्स में 22,584 करोड़ का हुआ निवेश:- एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक, जुलाई में इक्विटी और इक्विटी-लिंक्ड स्कीम्स में

22,583.5 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश हुआ। यह जून में निवेश के मुकाबले 277 फीसदी ज्यादा है। जुलाई लगातार पांचवां महीना रहा, जब इक्विटी फंडों में शुद्ध निवेश हुआ। एम्फी के मुताबिक, जुलाई में रिटेल स्कीम्स में शुद्ध निवेश 40,302 करोड़ रुपए के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया।

23 लाख से ज्यादा SIP अकाउंट्स खुले

एक्सपर्ट्स के मुताबिक इनमें नए फंड ऑफर्स की बड़ी भूमिका रही है। व्हाइट ओक कैपिटल के सीईओ आशीष सोमैया ने कहा, 'बीते महीने इक्विटी और हाइब्रिड स्कीम्स में करीब 27,000 करोड़ रुपए का रिकॉर्ड निवेश हुआ। इसमें एनएफओ का 50 फीसदी से ज्यादा योगदान रहा।' इसके अलावा बीते महीने म्यूचुअल फंड्स् के SIP में लगातार चौथे महीने निवेश बढ़कर ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गया। इस दौरान रिकॉर्ड 23 लाख से ज्यादा SIP अकाउंट्स खुले और कुल एयूएम पहली बार 5 लाख करोड़ से ऊपर 5.03 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया। एसआईपी में ठीक वैसे ही हर माह निवेश किया जाता है, जैसे लोन की ईएमआई भरी जाती है।

मल्टी-कैप स्कीम्स से दूरी

एम्फी के आंकड़ों के मुताबिक जून में न केवल लार्ज-कैप बल्कि मिड-कैप और स्मॉल-कैप स्कीम्स में भी शुद्ध निवेश हुआ। वहीं, मल्टी-कैप स्कीम्स (जिनके पोर्टफोलियो में छोटी-बड़ी सभी तरह की कंपनियों के शेयर होते हैं) से शुद्ध निकासी हुई।

बाजार में नगदी बढ़ना बड़ी वजह, छोटे निवेशक फायदा उठाना चाह रहे

विशेषज्ञों के मुताबिक RBI की उदार मौद्रिक नीति के चलते बैंकिंग सिस्टम में पर्याप्त नकदी होना, कंपनियों की आय में जोरदार इजाफा, कॉरपोरेट हायरिंग और सैलरी में तेज बढ़ोतरी, कोरोना वैक्सीनेशन कैंपेन और अनलॉक के चलते शेयर बाजार रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचना निवेश बढ़ने की प्रमुख वजह है। इसके अलावा छोटे निवेशक भी बाजार में तेजी का फायदा उठाना चाह रहे हैं, जिसके लिए उन्होंने म्यूचुअल फंड का रास्ता चुना। एम्फी के सीईओ एनएस वेंकटेश ने बताया, 'वैश्विक और घरेलू बाजार में नकदी काफी बढ़ गई है। इसी वजह से शेयर बाजार रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए हैं। छोटे निवेशक भी बाजार की इस तेजी का फायदा उठाना चाह रहे हैं। इसके लिए उन्होंने म्यूचुअल फंड्स और SIP की ओर रुख किया।

पीएनबी हाउसिंग : नहीं बनी बात

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के खिलाफ पीएनबी हाउसिंग फाइनैंस की अपील पर प्रतिभूति अपील न्यायाधिकरण (सैट) ने खंडित फैसला दिया है। सेबी ने पीएनबी हाउसिंग को निर्देश दिया था कि वह तब तक शेयरों का तरजीही आवंटन नहीं करे, जब तक स्वतंत्र मूल्यांकनकर्ता से मूल्यांकन नहीं करा लिया जाता। इस मामले की सुनवाई दो न्यायाधीशों के पीठ ने की, जिनमें पीठासीन अधिकारी तरुण अग्रवाल और न्यायिक सदस्य न्यायमूर्ति एमटी जोशी शामिल थे। फैसला एकमत

नहीं होने के कारण सैट का अंतरिम आदेश जारी रहेगा, जिसमें पीएनबी हाउसिंग फाइनैंस को अपनी असाधारण आम बैठक में हुए मतदान के नतीजों का खुलासा नहीं करने को कहा गया है। दोनों सदस्यों में तरजीही आवंटन के विभिन्न नियमों के लागू होने को लेकर सहमति है। लेकिन उनमें इस बात को लेकर मतभेद रहा कि यह मामला सेबी के क्षेत्राधिकार में है या नहीं और इसने ईजीएम से पहले दखल देकर तथा शेयरधारकों को प्रस्ताव पर कोई फैसला नहीं करने देकर सही किया अथवा नहीं। कानून के मुताबिक अगर सैट के दो सदस्यीय पीठ में किन्हीं बिंदुओं पर असहमति रहती है तो वे उन बिंदुओं का उल्लेख करेंगे, जिन पर उनके बीच मतभेद है और इस मामले को पीठासीन अधिकारी (पीओ) के पास भेजेंगे। विशेषज्ञों ने कहा कि मौजूदा स्थिति अभूतपूर्व है क्योंकि न्यायाधिकरण केवल दो सदस्यों से ही चल रहा है। एक स्वतंत्र विधि वकील सोमशेखर सुंदरेशन ने कहा, %ऐसे मामलों में विवादित आदेश बना रहता है, इसलिए अब इसका अगला चरण सर्वोच्च न्यायालय में अपील करना होगा।% न्यायमूर्ति अग्रवाल ने कहा कि सेबी ने प्राकृतिक न्याय के खिलाफ काम किया है और उसका यह मानना गलत था कि ईजीएम आयोजित करना कंपनी के आर्टिकल ऑफ एसोसिएशन का उल्लंघन है। हालांकि न्यायमूर्ति जोशी ने सेबी के कदमों से सहमति जताई। उन्होंने कहा, %सेबी अधिनियम में ऐसे विशेष आदेश पारित करने पर कोई रोक नहीं है। निवेशकों के हितों की सुरक्षा के लिए आवश्यक महसूस होने पर सेबी ऐसे फैसले ले सकता है।

रिलायंस ने बैटरी कंपनी अंबरी में पांच करोड़ डॉलर का निवेश किया

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज की नवगठित नवीकरणीय ऊर्जा इकाई रिलायंस न्यू एनर्जी सोलर लि. (आरएनईएसएल) ने बिल गेट्स और अन्य निवेशकों के साथ मैसाच्युसेट्स की अंबरी इंक में 14.4 करोड़ डॉलर का निवेश किया है। अंबरी इंक पावर ग्रिड के लिए बैटरियां बनाती है। आरएनईएसएल ने बयान में कहा कि वित्तपोषण के इस दौर में वह 14.4 करोड़ डॉलर में से पांच करोड़ डॉलर का निवेश करेगी। अंबरी इस राशि का इस्तेमाल विनिर्माण कारखाना बनाने तथा प्रौद्योगिकी के व्यावसायीकरण के लिए करेगी। इस निवेश से आरएनईएसएल को अंबरी के 4.23 करोड़ तरजीही शेयर मिलेंगे। जून में मुकेश अंबानी ने स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में 75,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की घोषणा की थी।

रिलायंस पावर ने पहली तिमाही में 12.28 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

रिलायंस पावर ने 30 जून को समाप्त चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 12.28 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ कमाया है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का 1.88 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी कुल आय घटकर 2,062.59 करोड़ रुपये रह गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 2,137.10 करोड़ रुपये रही थी। तिमाही के दौरान कंपनी का कुल खर्च 1,971.21 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले समान तिमाही में 2,054.83 करोड़ रुपये था। कंपनी ने कहा कि कोविड-19 की दूसरी लहर का असर समाप्त होने के साथ ही बिजली की मांग अपने सामान्य स्तर पर

आ रही है। कंपनी ने कहा है कि वह महामारी की वजह से आर्थिक और वित्तीय जोखिमों का आकलन जारी रखेगी।

जीएसटी से सरकार की कमाई : वित्त मंत्रालय ने कहा-

पहली तिमाही में जीएसटी कलेक्शन 1.67 लाख करोड़ रहा

यह 2021-22 के लिए अनुमानित आंकड़े का 26.6 फीसदी हिस्सा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

2021-22 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में जीएसटी कलेक्शन 1.67 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा रही। जबकि सरकार ने बजट में कहा था कि चालू फाइनेंशियल ईयर में जीएसटी कलेक्शन 6.30 लाख करोड़ रुपए रहेगा। इस लिहाज से पहली तिमाही में कलेक्शन का आंकड़ा कुल अनुमान का 26.6 फीसदी है। यह जानकारी वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में दी। पहली तिमाही में कुल लस्ञ कलेक्शन में केंद्रीय जीएसटी, इंटिग्रेटेड जीएसटी और कंपनसेशन सेस भी शामिल हैं। इससे पहले फाइनेंशियल 2020-21 में कुल जीएसटी कलेक्शन 5.48 लाख करोड़ रुपए था, जो संशोधित अनुमान 5.15 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा है। मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक 2019-20 में कुल कलेक्शन 5.98 लाख करोड़ रुपए रही, जोकि संशोधित अनुमान का 97.8 फीसदी रही।

पंकज चौधरी ने कहा कि सरकार टैक्स रेवेन्यू कलेक्शन बढ़ाने के लिए मजबूत प्रयास कर रही है। इसमें टैक्स कंप्लायंसेस में सुधार से लेकर जीएसटी दर को युक्तिसंगत बनाना, ई-इनवॉइस सिस्टम, जरूरी ई-फाइलिंग और टैक्स का ई-पेमेंट, लेट पेमेंट के लिए जुर्माना, नियमित प्रवर्तन और टैक्स रिटर्न का कंप्लायंसेस वेरिफिकेशन, राज्य वैट डिपार्टमेंट के लिए थर्ड पार्टी समेत अन्य कदम शामिल हैं।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।